"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 39] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 26 सितम्बर 2003—आश्विन 4, शक 1925

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

श्रम, खेल एवं युवा कल्याण विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 22 अगस्त 2003

क्रमांक 1991/2213/16/03.—भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा असाधारण राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक 241, दिनांक 2-8-1996 के आधार पर रासायनिक दुर्घटना (आपात योजना, तैयारी और अनुक्रिया) नियम 1996 के नियम-6 के उपनियम-1 के परिपालन में छत्तीसगढ़ राज्य शासन एतद्द्वारा राज्य के लिये निम्नानुसार राज्य संकट स्थिति समूह का गठन करती है :

1. मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन - अध्यक्ष
2. सचिव, श्रम, खेल एवं युवा कल्याण विभाग. - सदस्य सचिव
3. सचिव, पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग. - सदस्य
4. सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग. - सदस्य

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2003.

5. सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग. - सदस्य

6. सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग. - सदस्य

7. अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड. - सदस्य

8. विशेषज्ञ (औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य). - सदस्य

   (क) विभागाध्यक्ष, केमिकल इंजीनियरिंग, शास. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर.

   (ख) विभागाध्यक्ष, मेटलर्जीकल इंजीनियरिंग, शास. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर.

   (ग) महाप्रबंधक सुरक्षा, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई.

9. परिवहन आयुक्त - सदस्य

10. मुख्य कारखाना निरीक्षक, छत्तीसगढ़/संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, रायपुर. - सदस्य

11. पुलिस महानिदेशक - सदस्य.

12. उद्योग प्रतिनिधि अध्यक्ष छत्तीसगढ़ उद्योग महासंघ रायपुर. - सदस्य

(1) 'राज्य संकट स्थिति समूह' की तीन मास में कम से कम एक बार बैठक होगी और करोबार संव्यवहार के लिए वह ऐसी प्रक्रिया अपनाएगा जो वह उचित समझे.

(2) 'राज्य संकट स्थिति समूह' किसी भी ऐसे व्यक्ति को अपनी किसी बैठक में विचार विमर्श में भाग लेने के लिए सहयोजित कर सकेगा, जिसकी सहायता या सलाह उसके किन्ही कृत्यों के निष्पादन में लाभदायक समझी जाए. यह उन सदस्यों के अतिरिक्त होगा जिनको 'राज्य संकट स्थिति समूह' में सहयोजित किया गया है.

(3) 'राज्य संकट स्थिति समूह' के कृत्य निम्नानुसार होंगे :—

(1) व्यापक रसायन दुर्घटनाओं से निपटने के लिए और व्यापक रसायन दुर्घटनाओं से निपटने में विशेषज्ञ मार्ग-दर्शन देने के लिए राज्य संकट स्थिति समूह-शिखर निकाय होगा.

(2) उपनियम (1) के अधीन विनिर्दिष्ट कृत्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना राज्य संकट स्थिति समूह :—

   (क) परिसंकटमय रसायनों के विनिर्माण, भण्डारण और आयात नियमों के अनुसार सभी जिला स्थल से दूर आपात योजनाओं की पर्याप्तता की परीक्षा करने की दृष्टि से उनका पुनरीक्षण करेगा और तीन मास में एक बार केन्द्रीय संकट स्थिति समूह को अपनी रिपोर्ट भेजेगा.

   (ख) किसी स्थल पर रसायन दुर्घटनाओं के प्रबंध में राज्य सरकार की सहायता करेगा.

   (ग) राज्य में किसी स्थल पर व्यापक रसायन दुर्घटनाओं से संबंधित योजना तैयारी और अवशमन में राज्य सरकार की सहायता करेगा.

   (घ) राज्य में व्यापक रसायन दुर्घटनाओं से उद्भूत होने वाली दुर्घटना पश्चात् स्थिति का निरंतर मानीटरिंग करेगा और केंन्द्रीय संकट स्थिति समूह को अपनी रिपोर्ट भेजेगा.

   (ङ) जिला संकट स्थिति समूह द्वारा भेजी गई प्रगति रिपोर्ट का पुनरीक्षण करेगा.

   (च) जिला संकट स्थिति समूह द्वारा उसे संबोधित प्रश्नों के उत्तर देगा.

   (छ) राज्य में ऐसे विशेषज्ञों और अधिकारियों, जो रसायन दुर्घटनाओं के प्रबंध से संबंधित हो, की एक सूचीं प्रकाशित करेगा.

यह अधिसूचना सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति से जारी की जा रही है.

Raipur, the 22nd August 2003

No.1991/2213/16/03.—In compliance of Sub-rule 1 of Rule 6 of Chemical Accident (Emergency Planning, Preparedness and Response) Rules 1996 published by Govt. of India, Ministry of Environment and Forests in their extra-ordinary gazette vide notification No. 241, dated 2-8-1996, the Govt. of Chhattisgarh constitutes "State Crisis Group" as under :—

i. Chief Secretary, Govt. of Chhattisgarh. - Chairperson

ii. Secretary, Labour, Sports & Youth Welfare Deptt. - Member Secretary

iii. Secretary, Environment & Urban Development Deptt. - Member

iv. Secretary, Health & Family Welfare Deptt. - Member

v. Secretary, Commmerce & Industries Deptt. - Member

vi. Secretary, Public Health Engineering Deptt. - Member

vii. Chairman, Chhattisgarh Environment Conservation Board. - Member

viii. Experts (Industrial Health & Safety). - Member

(a) Head of the Department, Chemical Engineering Govt. Engineering College, Raipur.

(b) Head of the Department, Metallurgical Engineering, Govt. Engineering College, Raipur.

(c) General Manager, Safety, Bhilai, Steel Plant, Bhilai.

ix. Transport Commissioner - Member

x. Chief Inspector of Factories, Chhattisgarh/Director Industrial Health & Safety, Raipur. - Member

xi. Director General of Police - Member

xii. Industry Representative Chairman, Chhattisgarh Udyog Mahasangh. - Member

(1) The group shall meet at least once in 3 months and follow such procedure for transaction of business as it deems fit.

(2) The State Crisis Group may co-opt any person whose assistance or advice is considered useful in performing any of its functions, to participate in the deliberation of any of its meeting. This is besides the other co-opted members.

This group shall perform following fucntions :—

(3) Functions of the State Crisis Group :

(1) The State Crisis Group shall be the apex body in the State to deal with major chemical accidents and to provide expert guidance for handling major chemical accidents.

(2) Without prejudice to the functions specified under sub-rule (1). The State Crisis Group shall—

(a) Review all district off-site emergency plans in the State with a view to examine its adequacy in accordance with the Manufacture, Storage and Import of Hazardous Chemicals, Rules and forward a report to the Central Crisis Group once in three months.

(b) Assist the State Government in managing chemical accidents at a site.

(c) Assist the State Government in the Planning, preparedness and mitigation of major chemical accidents at a site in the State.

(d) Continuously monitor the post accident situation arising out of a major chemical accident in the State and forward a report to the Central Crisis Group.

(e) Review the progress report submitted by District Crisis Groups.

(f) Respond to queries addressed to it by the District Crisis Groups.

(g) Publish a list of experts and officials in the State, who are concerned with the management of chemical accidents.

This notification is issued with approval of the General Administration Department.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. एस. मूर्ति, सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्रमांक 108 एफ-73-57/2003/उ. शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजीक्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (3) के अधीन विश्वभारती यूनिवर्सिटी, रायपुर के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है, तथा छत्तीसगढ़ निजीक्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा दस (10) प्रथम अध्यादेशों अनुमोदित करता है.

यह अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

Raipur, the 3rd September 2003

No. 108/ F-73-57/2003/HE/38.—State Government gives consent under sub-section (3) of Section 27 of the Chhattisgarh Private University (Sthapana Aur Viniyaman) Act, 2002 to the Ordinances submitted under sub-section (2) of Section 27 by the Vice-Chancellor of "Viswabharathi University" Raipur and approves the Ten (10) "First Ordinances" by sub-section (4) of Section 27 of the Chhattisgarh Private University (Sthapana Aur Viniyaman) Act, 2002.

The Ordinances shall come in to effect from the date of publication in the Gazette.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

VISWA BHARATHI UNIVERSITY, RAIPUR

Established under Section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (Chhattisgarh Adhiniyam No. 2 of 2002), vide Notification of the Government of Chhattisgarh No. F 73-57/2003/HE/38 Dated 26th May 2003 and notified vide Gazette publication dated 6th June 2003

FIRST ORDINANCE

Ordinance No. 1
Admission of Students to the University and their enrolment
(Section 27 (1) (a) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance unless there is anything contrary to Statute and the Adhiniyam :

(a) "Qualifying examination" means an examination, the passing of which makes a student eligible for admission to a particular course of study leading to the award of Bachelors or Masters or Research Degree or Diploma or Certificate by the University.

(b) "Equivalent examination" means an examination conducted by

(i) Any recognized Board of Secondary Education, or

(ii) Any Indian or Foreign University recognized by this University as equivalent to its corresponding examination.

(iii) With a view to achieving the objective of "Education for all", the University has decided to give admission Under Distance Education Mode.

a) In to Secondary Certificate (Matriculation or 10th Class) Course to those who completed 14 years of age as on 1st August of the year in which admission is sought for on the basis of self declaration to the effect that the candidate has studied enough to be able to pursue secondary certificate course under the mode of informal education.

b) In to Senior Secondary Certificate (P. U. C. or Intermediate) Course to those who completed 16 years of age as on 1st August of the year in which admission is sought for, after qualifying in the entrance test prescribed to pursue senior secondary courses under the mode of informal (Non-Formal) Education.

c) In to Under Graduate Courses B.A. and B. Com, to those who completed 18 years of age as on 1st August of the year in which admission is sought for, after qualifying in the entrance test prescribed to pursue under graduate courses under the mode of informal (Non-Formal) Education.

d) In to Post Graduate Courses M.A and M.Com, to those who completed 21 years of age as on 1st August of the year in which admission is sought for, after qualifying in the entrance test prescribed to pursue post graduate courses under the mode of informal (Non-Formal) Education.

iv. Transfer of credit facility is provided to the students admitted in to secondary and senior secondary courses and they are exempted from passing the exam in subjects in which the candidate had already been examined and awarded pass marks by recognized Board(s) of Secondary / Senior Secondary / Intermediate Education of other states and such credits shall be taken into account while declaring the final result of the candidate.

v. Transfer of credit facility is provided to the students admitted in to Under Graduate / Post Graduate Courses and they are exempted from passing the examination in the subjects in which the candidate had already been examined and awarded pass marks by recognized Universities and such credits shall be taken in to accounts while declaring the final result of the candidate.

2. A student seeking admission in to the University Teaching Department or Institutes/ affiliated colleges / recognized by the University as its Academic centers / Regional Campus(es) / Off-Campus Programme Centres or Study Centres shall submit the duly filled in application along with the prescribed fee to the University or Regional Campus(es) the Academic Centres / Off-Campus Programme Centres / Study Centres or the Institutes/colleges on or before the date prescribed for submission of application for admission as the case may be.

3. The application for admission, as referred in the above Para, shall be accompanied by,

(a) In case of courses under Formal Stream :

i. Evidence of Birth Certificate.

ii. Conduct Certificate from the Head of the Institution of School / College last studied.

iii. True copy of the Marks Statement of the Qualifying Examination.

iv. Fee prescribed for the course .

(b) In case of courses under Informal (Non-Formal) Stream :

i. Evidence of Birth Certificate issued by the competent authority or notarized affidavit by the candidate.

ii. Self declaration, in case of secondary certificate course only, to the effect that the candidate has studied up to the level as is enough to pursue secondary certificate course.

4. The applicant shall also furnish an undertaking to the effect that on being admitted, he/she will submit the transfer certificate / Migration certificate within 2 months from the date of admission or 30th September of the same year which ever is earlier in case of a course under formal stream, failing which the admission shall be liable to be cancelled. Any extension of time in this regard can be given only by a written approval of the Vice-Chancellor on a request in writing made by the candidate.

5. No student who has passed a part of any under graduate or post graduate examination from another University shall be admitted to subsequent higher class for such course in any Campus/institution/center without its equivalence and approval by the Vice Chancellor.

6. No person who is under sentence of rustication or has been disqualified from appearing at examination by any other University / Institution shall be admitted to any course of study in this University and its institutions / center during the period of rustication or disqualification.

7. The admission of the students shall be completed as per the dates mentioned in the Academic Calendar of the University. Provided that where the last date is a holiday, the next working day will be the last date for admission.

   Admission will be offered twice in an academic year viz. Autumn and Spring Session or as prescribed by the Academic Council.

   Provided further that Vice — Chancellor shall have the power to grant admission in case of delayed application for admission due to genuine hardship after the last date for admission is expired . However in such cases the attendance of the late admission candidates will be counted from the date of commencement of classes.

8. The student shall be enrolled as a member of the University as soon as he/she is admitted and pays all the fee together with the prescribed fee for enrolment and submits migration certificate where it is needed.

   Provided that a student is admitted after the commencement of the session, he/she shall be required to pay all the fee and dues from the beginning of the academic session.

9. The reservation of seats for SC / ST / OBC / Foreign Student / NRI and other categories shall be as provided as per the rules framed in this regard by the Board of Management.

Ordinance No. 2
The Courses of study to be laid down for all degrees, diplomas and certificates of the University
(section 27 (1) (b) of the Adhiniyam)

1. There shall be a Board of Studies for every subject or group of subjects as may be decided by the Academic Council.

2. (a)Each Board shall consist of:

   i. Professor(s) of the University Teaching Department(s) of the subject or group of subjects for which Board is constituted.

   ii. One Reader of the University Teaching Department of the subject or group of subjects for which the Board is constituted to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation in order of seniority or otherwise.

   iii. Two teachers teaching the said subject(s) at the centers of the University up to Post-Graduate level to be nominated by the Vice- Chancellor by rotation in order of seniority or otherwise.

   Provided that if the Board is constituted for a group of subjects in nominating members under (ii) and (iii) above, care shall be taken to nominate such persons that all the subjects of the group are represented.

   iv. The board shall co-opt two experts of the subject. In case where the board is constituted for a group of subjects, the board shall co-opt one expert from each subject and then the number of Co-opted member shall be equal to the number of subjects for which the board is constituted.

   (b) The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Board/s of Studies.

   (c) The term of the board shall be two years.

3. Each Board shall lay down the detailed curriculum for the subject leading to a Certificate, Diploma, Bachelors Degree, or Masters Degree.

4. It shall also identify the standard books and other materials, which may be consulted for preparing the courses laid down for each subject leading to Certificate, Diploma, Bachelor Degree, or Master Degree.

5. The Academic Council shall decide the subjects to be undertaken for various Certificates, Diplomas and Degrees by the University.

Ordinance No. 3

The award of Degrees, Diplomas, Certificates and other academic distinctions. (section 27 (1) (c) of the Adhiniyam)

1. The candidate after passing the examination and fulfilling other conditions prescribed for a particular Certificate / Diploma or Degree shall be eligible for the award of Certificate / Diploma / Degree respectively.

2. The Registrar shall place the names of all candidates who have been examined and found qualified for the award of Certificate / Diploma / Degree before the Academic council Soon after the declaration of the results. On being approved by the Academic council, the Certificates / Diplomas / Degrees shall be issued or made necessary arrangements for the issue, to the respective candidates by the Registrar.

3. The Certificates and Diplomas shall be signed by the Registrar.

4. The approval for the award of respective degrees made given by the academic council shall he placed before the board of Management for its approval. On being approved by the Board of Management the Degrees shall be awarded to the respective candidates in the Convocation or in any other mode as may be prescribed by the Academic Council.

   Provided that if the candidate is in urgent need of the degree and the convocation is likely to be delayed, the degree can be given to him / her by the Vice-Chancellor on Payments of Rs 1000/- or the fee as may be prescribed by the University from time to time for the award of degrees before convocation.

   Provided also that no degree shall be awarded to any candidate before approval by the Board of Management.

5. The nomenclature of the Degree Diploma that would be conferred by the University under different Colleges / Schools shall be as follows :-

5.1 Viswa Bharathi College of Arts and Social Sciences

1.	Bachelor of Arts in Different Subjects	B.A. (Subject Specific)
2.	Bachelor of Arts Honours in Different Subjects	B.A.(Hons.) subject specific
3.	Bachelor of Applied Psychology	B.A (Psy)
4.	Bachelor of Literature	B.Litt
5.	Bachelor of Library and Information Science	BLiSc
6.	Bachelor of Social Work	BSW
7.	Bachelor in Public Policy	B.A (PP)
8.	Master of Arts in History	M.A.(History)
9.	Master of Arts in Political Science	M.A.(Political Science)
10.	Master of Arts in Public Administration	M.A (Public Administration)
11.	Master of Human Resource Management	M.H.R.M
12.	Master of Arts in Economics	M.A. (Economics)

13. Master of Arts in Sociology	M.A.(Sociology)
14. Master of Social Work	MSW
15. Master of Library and Information Science	MLiSc
16. Master of Applied Psychology	M.A (Psy)
17. Master of Indology	M.Ind
18. Master of Arts in Literature	M.A (Litt)
19. Master of Philosophy	M. Phil.
20. Doctur of Philosophy	Ph.D
21. Doctor of Literature	D.Litt
22. Diploma in Copywriting	DC
23. Diploma in Publishing	DP
24. Diploma in Industrial Psychology	DIPsy
25. Diploma in Library and Information Science	DLiSc
26. Diploma in Social Work	DSW
27. Diploma in English	DIAE
28. Diploma in Population Studies	DPS
29. Diploma in Regional Language	DRL
30. Post Graduate Diploma in Copywriting	PGDC
31. Post Graduate Diploma in Publishing	PGDP
32. Post Graduate Diploma in Industrial Psychology	PGDIPsy
33. Post Graduate Diploma in Library and Information Science	PGLiSc
34. Post Graduate Diploma in Social Work	PGDSW
35. Post Graduate Diploma in Regional Language	PGDRL
36. Post Graduate Diploma in English	PGDE
37. Post Graduate Diploma in Population Studies	PGDPS
38. Certificate Programme in Prepa.atory for entry to Degree	CPPED
39. Certificate Programme in Distance Education	CPDE
40. Certificate Programme in Women Studies	CPWS
41. Certificate Programme in Human Rights	CPHR
42. Samaj Karya Parangat	Samaj Karya Parangat
43. Samaj Vidya Parangat	Samaj Vidya Parangat
44. Samaj Karya Visharad	Samaj Karya Visharad
45. Shastri	Shastri
46. Shikshan Parangat	Shikshan Parangat
47. Shikshan Visharad	Shikshan Visharad
48. Shikshan Shastri	Shikshan Shastri
49. Vachaspati	Vachaspati

50. Vidya Praveena	Vidya Praveena
51. Vidya Vachaspati	Vidya Vachaspati
52. Vidya Varidhi	Vidya Varidhi
53. Anu Parangat	M.Phill

5.2 Viswa Bharathi College of Law & Public Policy

1. Bachelor of Law (Integrated)	B.A B.L (5 YRS)
2. Bachelor of Law	B.L
3. Bachelor of Law of Laws	L.L.B (3 yrs)
4. Bachelor of Academic Laws	B.A.L
5. Bachelor of Civil law	B.C.L
6. Bachelor of General law	B.G.L
7. Master of Law of Laws	L.L.M
8. Master of Law	M.L
9. Masters in Public Policy	M.A (PP)
10. Masters in Public Governance	M.A (PG)
11. Doctor of Philosophy	Ph.D
12. Doctor of Law	D.L
13. Doctor of Law of Laws	L.L.D
14. Diploma in Administrative Law	D.A.L
15. Diploma in Business Law	D.B.L
16. Diploma in Law	Dip.L
17. Diploma in Corporate Law & Management	DCL&M
18. Diploma in Civil Law	D.C.L
19. Diploma in General law	D.G.L
20. Diploma in Cyber Law & Ethics	D.C.L & E
21. Diploma in Environmental Law	DEL
22. Diploma in Human Rights Law	DHRL
23. Diploma in Intellectual Property Rights Law	DIPRL
24. Diploma in Labour Law	DLL
25. Diploma in Patent Law	DPL
26. Post Graduate Diploma in Law	PGDL
27. Post Graduate Diploma in Law of Laws	PGDLL

5.3 Viswa Bharathi College of Commerce and Services Management

1. Bachelor of Commerce	B.Com
2. Bachelor of E-Commerce	B. e-Com
3. Bachelor of Commerce Honours	B.Com (Hons)
4. Bachelor in Business Process Outsourcing	B.A (BPO)

5.	Bachelor in Service Management	B.A (SM)
6.	Master of Commerce	M.Com
7.	Master of E-Commerce	M. e-Com
8.	Master of Philosophy	M.Phill
9.	Doctor of Philosophy	Ph.D
10.	Doctor of Literature	D.Litt
11.	Diploma in Call Center Management	DCCM
12.	Diploma in Cost Accounting	DCA
13.	Diploma in Customer Relationship Management	DCRM
14.	Diploma in Export Documentation	DED
15.	Diploma in Marketing of Services	DMS
16.	Diploma in Retail Management	DRM
17.	Diploma in Capital Markets of Merchandise Banking	DMMB
18.	Diploma in Finance	DF
19.	Diploma in Personnel Management	DPM

5.4 Viswa Bharathi College of Education

1.	Diploma in Arts and Diploma in Education	D.A.D.Ed
2.	Diploma in Commerce and Diploma in Education	D.Com.D.Ed
3.	Diploma in Science and Diploma in Education	D.Sc.D.Ed
4.	Bachelor of Education in Information Technology as a specialized subject	B.Ed (IT)
5.	Bachelor of Education	B.Ed
6.	Bachelor of Arts and Bachelor of Education	B.A.B.Ed
7.	Bachelor of Commerce and Bachelor of Education	B.Com.B.Ed
8.	Bachelor of Science and Bachelor of Education	B.Sc.B.Ed
9.	Bachelor of Physical Education	B.P.Ed
10.	Post Graduate Diploma in Education	PGDEd
11.	Post Graduate Diploma in Physical Education	PGDP.Ed
12.	Master of Education	M.Ed
13.	Master of Physical Education	MP.Ed
14.	Shiksh Acharya	Shiksh Acharya
15.	Vidya Nisnant	Vidya Nisnant
16.	Vidyalankar	Vidyalankar
17.	Vishrad	Vishrad
18.	Teacher's Training Certificate (In Service)	TTC (In Service)
19.	Master of Philosophy	M.Phill
20.	Doctor of Education	D.Ed

5.5 Viswa Bharathi Institute of Medical Sciences

1. Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery	M.B.B.S.
2. Master of Surgery in General Surgery	MS – General Surgery
3. Master of Surgery in Ear, Nose and Throat	MS - ENT
4. Master of Surgery in Ophthalmology	MS – Ophthalmology
5. Master of Surgery in Anatomy	MS – Anatomy
6. Master of Surgery in Orthopedics	MS – Orthopedics
7. Doctor of Medicine in General Medicine	M.D. (Medicine)
8. Doctor of Medicine in Forensic Medicine	M.D (Forensic Medicine)
9. Doctor of Medicine in Pathology	MD - Pathology
10. Doctor of Medicine in Radiology	MD - Radiology
11. Doctor of Medicine in Pediatrics	MD - Pediatrics
12. Doctor of Medicine in Pharmalogy	MD - Pharmalogy
13. Doctor of Medicine in Ophthalmology	MD - Ophthalmology
14. Doctor of Medicine in Anesthesia	MD – Anesthesia
15. Doctor of Medicine in Gynecology and Obstetrics	MD – (Gyne & Obst)
16. Master of Chirurgery in Cardio Thoracic Surgery	M.Ch (Cardio Surgery)
17. Master of Chirurgery in Neurology	M.Ch (Neurology)
18. Master of Chirurgery in Urology	M.Ch (Urology)
19. Master of Chirurgery in Plastic Surgery	M.Ch (Plastic Surgery)
20. Master of Chirurgery in Cardiology	M.Ch (Cardiology)
21. Master of Chirurgery in Endocrinology	M.Ch (Endo)
22. Master of Chirurgery in Gastro Enterology	M.Ch (Gastro)
23. Diploma in Anesthesia	D.A
24. Diploma in Child Health	D.C.H.
25. Diploma in Tuberculosis & Chest Diseases	D.T.C.D
26. Diploma in Tuberculosis & Chest Diseases	D.T.C.D.
27. Diploma in Ophthalmology Medicine & Surgery	D.O.M.S.
28. Diploma in Clinical Pathology	D.C.P.
29. Diploma in Oral Surgery	D.O.S
30. Diploma in Orthodontics	D.Orth
31. Diploma in Ophthalmology	D.O
32. Diploma in Radiology	D.R
33. Diploma in Prosthodontics	DP
34. Diploma in Conservative Dentisry	DCD
35. Diploma in Oral Pathology	DOP

36.	Diploma in Laryngology and Octology	D.L.O.
37.	Diploma in Forensic Science	D.F.S
38.	Diploma in Optoelectronics & Communication Systems	D.O.C.S
39.	Diploma in Gynecology and Obstetrics	D.G.O.
40.	Diploma in Orthopedics	D. Orthpedic.
41.	Diploma in Public Health	D.P.H.
42.	Diploma in MRT	D.M.R.T
43.	Diploma in Health Care & Services	D.H.C & S
44.	Diploma in Nutrition and Dietetics	D.N & D
45.	Diploma in Health Care Systems and Service Management	D.H.C.S & S.M
46.	Doctor of Medicine in Anatomy	MD - Anatomy
47.	Doctor of Medicine in Physiology	MD - Physiology
48.	Doctor of Medicine in Biochemistry	MD - Biochemistry
49.	Doctor of Medicine in Microbiology	MD – Microbiology
50.	Doctor of Medicine in Psychiatry	MD - Psychiatry
51.	Doctor of Medicine in veneralogy	MD – Vd
52.	Doctor of Medicine in Dermatology	MD - Dermatology
53.	Doctorate of Medicine in Anatomy	DM - Anatomy
54.	Doctorate of Medicine in Physiology	DM - Physiology
55.	Doctorate of Medicine in Biochemistry	DM - Biochemistry
56.	Doctorate of Medicine in Microbiology	DM - Microbiology
57.	Doctorate of Medicine in Cardiology	DM - Cardiology
58.	Doctorate of Medicine in Neurology	DM - Neurology
59.	Doctorate of Medicine in Hematology	DM – Hematology

5.6 Viswa Bharathi College of Engineering & Applied Sciences

1.	Bachelor of Technology in Biotechnology	B.Tech (Biotech)
2.	Bachelor of Technology in Electronics & Communication Engineering	B.Tech (ECE)
3.	Bachelor of Technology in Electronics & Telecommunication Engineering	B.Tech (E&TC)
4.	Bachelor of Technology in Civil (Construction Management)	B.Tech (Civil)
5.	Bachelor of Technology in Civil (Water Resource Management)	B.Tech (WRE)
6.	Bachelor of Technology in Computer Aided Engineering	B.Tech (CAE)
7.	Bachelor of Technology in Computer Aided Designing	B.Tech (CAD)
8.	Bachelor of Technology in Electrical & Electronics Engineering	B.Tech (EEE)
9.	Bachelor of Technology in Electrical Engineering	B.Tech (EE)

10. Bachelor of Technology in Manufacturing Technology	B.Tech (MT)
11. Bachelor of Technology in Mechanical Design Engineering	B.Tech (MDE)
12. Bachelor of Technology in Mechanical Engineering	B.Tech (Mech)
13. Bachelor of Technology in Production Engineering	B.Tech (PE)
14. Bachelor of Technology in Agriculture Engineering	B.Tech (AE)
15. Bachelor of Technology in Chemical Engineering	B.Tech (Chem)
16. Bachelor of Technology in Textile Engineering	B.Tech (Textile)
17. Bachelor of Technology in Mining Engineering	B.Tech (Min)
18. Bachelor of Technology in Aeronautical Engineering	B.Tech (Aero)
19. Bachelor of Technology in Marine Engineering	B.Tech (Marine)
20. Bachelor of Technology in Mobile Telecommunication Engineering	B.Tech (MTE)
21. Bachelor of Technology in Photonics Engineering	B.Tech (PE)
22. Bachelor of Technology in Instrumentation Engineering	B.Tech (IE)
23. Bachelor of Technology in Naval Engineering	B.Tech (NE)
24. Bachelor of Technology in Dairy Engineering	B.Tech (DE)
25. Master of Technology in Automotive Engineering & Business	M.Tech (AE & B)
26. Master of Technology in Power Electronics	M.Tech (PE)
27. Master of Technology in Communication & Radar Engineering	M.Tech (C&RE)
28. Master of Technology in Power Systems	M.Tech (PS)
29. Master of Technology in Structural Engineering	M.Tech (SE)
30. Master of Technology in Production Engineering	M.Tech (PE)
31. Master of Technology in Embedded Systems & VLSI	M.Tech (ES&VLSI)
32. Master of Technology in Microelectronics & Communication Systems	M.Tech (M&CS)
33. Master of Technology in Mobile Networks and Management	M.Tech (MN&M)
34. Master of Technology in Telecom Services Management	M.Tech (TSM)
35. Master of Chemical Engineering	M.Ch.E
36. Master of Chemical Technology	M.Ch.Tech
37. Master of Town Planning	M.TP
38. Master of Textiles	M.Text
39. Certificate Programme in Gardener's Training	CPGT
40. Certificate Programme in Engineering Vocation : Plumber	CPEV (Plumber)
41. Certificate Programme in Engineering Vocation : Fitter	CPEV (Fitter)
42. Certificate Programme in Engineering Vocation : Two Wheeler Mechanics	CPEV (TW-Mechanic)

43. Certificate Programme in Engineering Vocation : Domestic Wireman	CPEV (DW)
44. Certificate Programme in Engineering Vocation : Lathe Operator	CPEV (LO)
45. Certificate Programme in Engineering Vocation : Radio & Tape Recorder	CPEV (R&TR)
46. Certificate Programme in Indusrial Painting Technician	CPIPT (Fitter-G)
47. Certificate Programme in Engineering Vocation : Mason	CPEV (Mason)
48. Diploma in Mechanical Engineering	DME
49. Diploma in Civil Engineering	DCE
50. Diploma in Chemical Engineering	DChE
51. Diploma in Chemical Technology	D.Chem.Tech
52. Diploma in Electrical Engineering	DEE
53. Diploma in Electronics and Communication Engineering	DECE
54. Diploma in Computer Engineering	DCE
55. Diploma in Textiles	D.Text
56. Post Graduate Diploma in Mechanical Engineering	PGDME
57. Post Graduate Diploma in Civil Engineering	PGDCE
58. Post Graduate Diploma in Chemical Engineering	PGDChE
59. Post Graduate Diploma in Chemical Technology	PGD.Chem.Tech
60. Post Graduate Diploma in Electrical Engineering	PGDEE
61. Post Graduate Diploma in Textiles	PGD.Text
62. Master of Technology in Electronics with Telecommunication networks	
63. Master of Technology in Electronics with Microwave Engineering (Integrated)	
64. Master of Technology in Electronics with Microelectronics (Integrated)	
65. Master of Technology in Biotechnology (Integrated)	
66. Master of Technology in Automotive Engineering (Integrated)	
67. Master of Technology in Power Systems (Integrated)	
68. Doctor of Philosophy	Ph.D

5.7 Viswa Bharathi College of Science and Technology

Bachelor of Science **B.Sc**

1. Botany
2. Zoology
3. Chemistry
4. Mathematics
5. Statistics
6. Physics
7. Electronics
8. Geology
9. Geography
10. Fisheries
11. Hotel Management

Master of Science **M.Sc**

1. Botany
2. Zoology
3. Bio-chemistry
4. Bio-informatics
5. Bio-technology
6. Microbiology
7. Genetics
8. Chemistry
9. Statistics
10. Geology
11. Geography
12. Hotel Management
13. Physics with Different Specializations
14. Electronics with Different Specializations
15. Mathematics with Different Specializations
16. Master of Philosophy — M.Phil
17. Doctor of Philosophy — Ph.d

5.8 Viswa Bharathi College of Agriculture & Veterinary Science

1. Bachelor of Science in Agriculture — B.Sc (Agriculture)
2. Bachelor of Science in Horticulture — B.Sc (Horticulture)
3. Bachelor of Science in Home Science — B.Sc (Home Science)
4. Bachelor of Science in Poultry Science — B.Sc(Poultry Science)
5. Bachelor of Science in Dairy Science — B.Sc (Dairy Science)
6. Bachelor of Science in Aquaculture — B.Sc (Aquaculture)
7. Bachelor of Science in Sericulture — B.Sc (Sericulture)
8. Bachelor of Science in Genetics & Plant Breeding — B.Sc (Genetics & Plant Breeding)
9. Master of Science in Agriculture — M.Sc (Agriculture)
10. Master of Science in Horticulture — M.Sc (Horticulture)
11. Master of Science in Home Science — M.Sc (Home Science)
12. Master of Science in Poultry Science — M.Sc (Poultry Science)
13. Master of Science in Dairy Science — M.Sc (Dairy Science)
14. Master of Science in Aquaculture — M.Sc (Aquaculture)

15. Master of Science in Sericulture	M.Sc (Sericulture)
16. Bachelor of Science in Genetics & Plant Breeding	M.Sc (Genetics & Plant Breeding)
17. Doctor of Philosophy in Agriculture	Ph.D (Agriculture)
18. Doctor of Philosophy in Horticulture	Ph.D (Horticulture)
19. Doctor of Philosophy in Home Science	Ph.D (Home Science)
20. Doctor of Philosophy in Poultry Science	Ph.D (Poultry Science)
21. Doctor of Philosophy in Dairy Science	Ph.D (Dairy Science)
22. Doctor of Philosophy in Aquaculture	Ph.D (Aquaculture)
23. Doctor of Philosophy in Sericulture	Ph.D (Sericulture)
24. Doctor of Philosophy in Genetics & Plant Breeding	Ph.D (Genetics & Plant Breeding)
25. Diploma in Science (Agriculture)	Dip.Sc (Agriculture)
26. Diploma in Science (Horticulture)	Dip.Sc (Horticulture)
27. Diploma in Science (Home Science)	Dip.Sc (Home Science)
28. Diploma in Science (Poultry Science)	Dip.Sc (Poultry Science)
29. Diploma in Science (Dairy Science)	Dip.Sc (Dairy Science)
30. Diploma in Science (Aquaculture)	Dip.Sc (Aquaculture)
31. Diploma in Science (Sericulture)	Dip.Sc (Sericulture)
32. Diploma in Science (Genetics & Plant Breeding)	Dip.Sc (Genetics & Plant Breeding)
33. Bachelor of Veterinary Science	B.V.Sc
34. Master of Veterinary Science	M.V.Sc
35. Doctor of Philosophy (Veterinary Science)	Ph.d
36. Post Graduate Diploma in Home Science	PGDH.Sc

5.9 Viswa Bharathi College of Bio-Technology, Pharmacy & Para Medical Sciences

1. Bachelor of Pharmacy	B. Pharma
2. Bachelors in Hospital Management	BHM
3. Bachelors in Human Nutrition	BHN
4. Bachelors in Medical Laboratory Technology	BMLT
5. Bachelors in Occupational Therapy	BOT
6. Bachelors in Physiotherapy	B.Phy
7. Bachelors in Radiology & Imaging Technology	BRIT
8. Master of Pharmacy	M. Pharma
9. Doctor of Philosophy	Ph.d
10. Diploma in Health Care & Services	DHC&S
11. Diploma in Nutrition & Dietetics	DN&D

12. Diploma in Pharma Sales Management	DPhS
13. Diploma in Health Information Technology	DHIT
14. Diploma in Pharmacy	D.Ph
15. Diploma in Health Care Systems & Services Management	DHCS &SM
16. Diploma in General Nursing & mid wifery	D.G.N.M.
17. Diploma in Science (Bio-Technology)	D.Sc (Bio-Technology)
18. Diploma in Science (Bio-Informatics)	D.Sc (Bio-Technology)
19. Diploma in Science (Bio-Chemistry)	D.Sc (Bio-Chemistry)
20. Diploma in Science (Microbiology)	D.Sc (Microbiology)
21. Diploma in Science (Medical Lab Technology)	D.Sc (MLT)
22. Diploma in Physiotherapy	DPT
23. Diploma in Occupational Therapy	DOT
24. Diploma in Science (Nursing)	D.Sc (Nursing)
25. Bachelor of Science in Bio-Technology	B.Sc (Bio-Technology)
26. Bachelor of Science in Bio-Informatics	B.Sc (Bio-Informatics)
27. Bachelor of Science in Bio-Chemistry	B.Sc (Bio-Chemistry)
28. Bachelor of Science in Microbiology	B.Sc (Microbiology)
29. Bachelor of Science in Medical Lab Technology	B.Sc(MLT)
30. Bachelor of Physiotherapy	BPT
31. Bachelor of Occupational Therapy	BOT
32. Bachelor of Science in Nursing	B.Sc. (Nursing)
33. Bachelor of Technology in Bio-Technology	B.Tech (Bio-Technology)
34. Bachelor of Technology in Bio- Informatics	B.Tech (Bio – Informatics)
35. Post Graduate Diploma in Bio-Technology	PGDBT
36. Post Graduate Diploma in Bio – Informatics	PGDBI
37. Post Graduate Diploma in Medical Lab Technology	PGDMLT
38. Post Graduate Diploma in Physiotherapy	PGDPT
39. Post Graduate Diploma in Occupational Therapy	PGDOT
40. Post Graduate Diploma in Nursing	PGDN
41. Post Graduate Diploma in Bio – Chemistry	PGDBC
42. Post Graduate Diploma in Microbiology	PGDMB
43. Master of Science in Medical Microbiology	M.Sc (MedicalMicro-biology)
44. Master of Science in Medical Bio – Chemistry	M.Sc (MedicalBio-Chemistry)
45. Master of Science in Medical Anatomy	M.Sc (Medical Anatomy)
46. Master of Science in Medical Physiology	M.Sc (Medical Physiology)
47. Master of Science in Medical Lab Technology	M.Sc (MLT)
48. Master of Physiotherapy	MPT

49. Master of Occupational Therapy	MOT
50. Master of Science in Nursing	M.Sc. (Nur)
51. Master of Pharmacy	M.Ph
52. Master of Philosophy	M.Phill (All Branches)
53. Doctor of Philosophy	Ph.d

5.10 Viswa Bharathi College of Computing & Information Technology

1. Bachelor of Technology in Computational Management	B. Tech (CM)
2. Bachelor of Technology in Internet Computing	B. Tech (IC)
3. Bachelor of Technology in Computer Science & Engineering	B. Tech (CS & E)
4. Bachelor of Technology in Mobile Computing	B. Tech (MC)
5. Bachelor of Technology in Software Engineering	B. Tech (S.E)
6. Bachelor of Technology in Information Technology	B. Tech (IT)
7. Bachelor of Engineering in Electronics and Tele Communications	B.E (E & T)
8. Bachelor of Engineering in Telecommunication Engineering	B.E (Tel.E)
9. Bachelors of Computer Application	BCA
10. Bachelor of Science in Computer Science	B.Sc(Cs)
11. Bachelor of Science in Networking	B.Sc (Netwoking)
12. Bachelor of Science in Call Centre Communication	B.Sc (CCC)
13. Bachelor of Science in Visual Effects & Multimedia	B.Sc (VE & M)
14. Bachelor of Science in Medical Transcription	B.Sc (MT)
15. Bachelor of Science in Information Technology	B.Sc (IT)
16. Master of Science in Information Technology	M.Sc (IT)
17. Master of Science in Computer Science	M.Sc(Cs)
18. Master of Science in Networking	M.Sc (Netwoking)
19. Master of Science in Call Centre Communication	M.Sc (CCC)
20. Master of Science in Visual Effects & Multimedia	M.Sc (VE & M)
21. Master of Science in Medical Transcription	M.Sc (MT)
22. Masters of Computer Application	MCA
23. Integrated MCA (5 year programme)	MCA (Integrated)
24. Master of Technology in Software Engg.	M. Tech (SE)
25. Master of Technology in Computer Science & Engineering	M.Tech (CS & E)
26. Master of Technology in Intelligent Systems	M.Tech (IS)
27. Master of Technology in Parallel & Distributed Computing	M.Tech (P & DC)
28. Master of Technology in Information Technology	M.Tech (IT)
29. Master of Philosophy	M.Phil
30. Doctor of Philosophy	Ph.d

31. Diploma in Data Communication & Networking	DDCN
32. Diploma in Hardware	DH
33. Diploma in C Language	DCL
34. Diploma in C++	DC++
35. Diploma in Internet & Web Page Design	DIWPD
36. Diploma in JAVA	DJAVA
37. Diploma in Visual Basic	DVB
38. Diploma in Data Structures through C & C++	DDSTC&C++
39. Diploma in Data Base Management Systems	DDBMS
40. Diploma in System Analysis and Design	DSAD
41. Certificate Course in Computing	CCC
42. Diploma in Computing	DIC
43. Diploma in Information Technology	DIT
44. Diploma in Software Engineering	DSE
45. Post Graduate Diploma in Computing	PGDIC
46. Post Graduate Diploma in Information Technology	PGDIT
47. Post Graduate Diploma in Software Engineering	PGDSE
48. Post Graduate Diploma in Computer Application	PGDCA

5.11 Viswa Bharathi College of Hospitality & Tourism Management

1. Bachelor of Arts in (Aviation / Cruise Hospitality Mgmt)	B.A(Aviation / Cruise Hospitality Mgmt)
2. Bachelor of Arts in Culinary Arts	B.A (Culinary Arts)
3. Bachelor of Arts in Hospitality and Hotel Administration	B.A (Hospitality and Hotel Administration)
4. Bachelor of Arts in Travel and Leisure Management	B.A (Travel and Leisure Management)
5. Bachelors of Arts (Honours) in International Hospitality Management	B.A (Hons) I.H.M
6. Master of Arts in Hospitality Management	M.A (HM)
7. Master of Arts in Tourism and Leisure Management	M.A (TLM)
8. Master of Philosophy	M.Phil
9. Doctor of Philosophy	Ph.D
10. Diploma in Bakery & Confectionery	D.B. & C
11. Diploma in Cruise Hospitality Management	D.C.H.M
12. Diploma in Food & Beverage Management	D.F & B.M
13. Diploma in Front Office Management	D.F.O.M

14. Diploma in Hospitality Customer Relations	D.H.C.R
15. Diploma in Hospitality Management	D.H.M
16. Diploma in Indian Regional Cuisine	D.I.R.C
17. Diploma in institutional Catering	D.I.C
18. Diploma in Institutional Housekeeping	DIH
19. Diploma in International Cuisine	DIC
20. Diploma in International Ticketing and CRS	DIT & CRS
21. Diploma in Restaurant & Bar Management	D.R & B.M
22. Diploma in Aviation Hospitality Management	D.A.H.M
23. Diploma in Travel & Tourism	D.T. & T
24. Diploma in Culinary Arts (Advanced Diploma)	D.C.A (A.D)
25. PG Diploma in Hospitality & Tourism Management	P.G.D.H & T.M

5.12 Viswa Bharathi College of Environmental Sciences

1. Diploma in Environmental Science	DES
2. Diploma in Water Resource Management	DWRM
3. Diploma in Environmental Resource Management	DERM
4. Bachelor of Science in Environmental Science	B.Sc (Env.Sc)
5. Bachelor of Science in Water Resource Management	B.Sc (WRM)
6. Bachelor of Science in Environmental Resource Management	B.Sc (ERM)
7. Post Graduate Diploma in Environmental Science	PGDES
8. Post Graduate Diploma in Water Resource Management	PGDWRM
9. Post Graduate Diploma in Environmental Resource Management	PGDERM
10. Master of Science in Environmental Science	M.Sc (Env.Sc)
11. Master of Science in Water Resource Management	M.Sc (WRM)
12. Master of Science in Environmental Resource Management	M.Sc (ERM)

5.13 Viswa Bharathi College of Insurance & Risk Management

1. Bachelor in Insurance & Risk Management	BIRM
2. Bachelor in Insurance Management	BIM
3. Masters of Arts in Insurance & Risk Management	MA (IRM)
4. Masters in Life Insurance	MLI
5. Masters in General Insurance	MGI
6. Masters in Actuarial Applications	MAA
7. Doctoral Programme	Ph.D

5.14 Viswa Bharathi College of Film Technology , Media & Mass Communication

1.	Bachelor of Arts in Advertising &Public Relation	B.A (Ad & Pr)
2.	Bachelor in Journalism & Mass Comm.	BJMC
3.	Bachelor in Journalism & Media Studies.	BJMS
4.	Diploma in Advertising Management	DAM
5.	Diploma in Journalism	DJ
6.	Diploma in Web Journalism	DWJ
7.	Diploma in Print, Electronic & Cyber Journalism	DPE & CJ
8.	Diploma in Journalism & Mass Communication	DJ & MC
9.	Diploma in Media Journalism	DMJ
10.	Diploma in Radio Anchoring & Audio Management	DRA & AM
11.	Diploma in TV Anchoring, News-reading & Broadcast Reporting	DTVAN & BR
12.	Diploma in Writing for Electronic Media	DWEM
13.	Bachelor of Arts in Animation & Computer Graphics	BA (A &CG)
14.	Bachelor of Arts in Film & TV Production	B.A (F&TVP)
15.	Bachelor of Arts in Radio Production	B.A (RP)
16.	Bachelor of Arts in Still Photography	B.A (SP)
17.	Bachelor of Arts in Acting & Choreography	B.A (A & C)
18.	Post Graduate Diploma in Animation and Multimedia	PGDA & M
19.	Post Graduate Diploma in Multimedia Design & Management	PGDMD&M
20.	Post Graduate Diploma in Journalism	PGDJ
21.	Master of Journalism	MJ
22.	Master of Arts in Animation & Computer Graphics	MA (A &CG)
23.	Master of Arts in Art Direction	MA (AD)
24.	Master of Arts in Costume Design	MA (CD)
25.	Master of Arts in Development Communication	MA (DC)
26.	Master of Arts in Film & TV Production	MA (F & TVP)
27.	Master of Arts in Media Management	MA (MM)
28.	Master of Arts in Radio Production	MA (RP)
29.	Master of Arts in Still Photography	MA (SP)
30.	Master of Arts in Video Editing	MA (VE)
31.	Master of Arts in Videography	MA (V)
32.	Master of Arts in Cinema Studies	MA (CS)
33.	Master of Arts in Cinematography	MA (C)
34.	Master of Arts in Brand Communication	MA (BC)
35.	Master of Arts in communication, Culture & Media	MA (CCM)

36. Master of Arts in Marketing Communication	MA (MC)
37. Master of Arts in Mass Communication	MA (MC)
38. Master of Arts in Advertising, Public Relations And Corporate communications	MA (APR & CC)
39. Diploma in Film & Television	DF & T
40. Diploma in Moving Image	DMI
41. Diploma in Non-linear Editing	DNLE
42. Diploma in Photo Journalism	DPJ
43. Diploma in Script-writing for Film	DSWF & TV
44. Diploma in Acting & Choreography	DAC
45. Diploma in Advanced Reporting	DAR
46. Diploma in Advertising, Public Relations & Corporate Communications	DAPR&CC
47. Diploma in Brand Management	DBM
48. Diploma in Culture Studies	DCS
49. Diploma in Rural Communication	DRC
50. Diploma in Technical Writing	DTW
51. Master of Journalism	MJ
52. Master of Philosophy	M.Phill
53. Doctor of Philosophy	Ph.D
54. Doctor of Literature	D.Litt

5.15 Viswa Bharathi Institute of Design Engineering & Architecture

1. Bachelor of Architecture	B. Arch
2. Bachelor of Architectural Technology & Construction	B.ArchT & C
3. Bachelcrs in Interior Design	BID
4. Bachelors in Product Design	BPD
5. Bachelor in Building Services	BBS
6. Bachelor in Estate Management	BEM
7. Master of Architecture	M.Arch
8. Doctorate Programme	Ph.D
9. Diploma in Product Design	DPD
10. Diploma in Interior Design	DID

5.16 Viswa Bharathi Business School

1.	Master of Business Administration (Integrated with BBA)	MBA (BBA + MBA)
2.	Master of Business Administration	MBA
3.	Master of Business Administration in Marketing	MBA (Marketing)
4.	Master of Business Administration in Insurance	MBA (Insurance)
5.	Master of Business Administration in Banking	MBA (Banking)
6.	Master of Business Administration in Human Resource Mgt.	MBA(HRM)
7.	Master of Business Administration in Finance	MBA(Finance)
8.	Master of Business Administration in Global Financial Mgt.	MBA(GFM)
9.	Master of Business Administration in International Business	MBA(IB)
10.	Master of Business Administration in Business & Finance	MBA (B & F)
11.	Master of Business Administration in Business & Marketing	MBA (B & M)
12.	Master of Business Administration in Business & Human Resource	MBA (B & HR)
13.	Master of Business Administration in Investment Management	MBA (IM)
14.	Master of Business Administration in Risk Management	MBA (R.Mgt)
15.	Master of Business Administration in Interior Design	MBA(ID)
16.	Master of Business Administration in Media Studies	MBA(MS)
17.	Master of Business Administration in Entrepreneurship Dev.	MBA(ED)
18.	Master of Business Administration in Technology Mgt.	MBA(TM)
19.	Master of Business Administration in Advertising Mgt.	MBA (AM)
20.	Master of Business Administration in network Mktg.	MBA(NM)
21.	Master of Business Administration in Computer Aided Mgt.	MBA(CAM)
22.	Master of Business Administration in Production Mgt.	MBA(PM)
23.	Master of Business Administration in Supply Chain Mgt.	MBA(SCM)
24.	Master of Business Administration in e-commerce	MBA(e-commerce)
25.	Master of Business Administration in Co-operative Mgt.	MBA(CM)
26.	Master of Business Administration in Pharmaceutical Mktg.	MBA(Ph.M)
27.	Master of Business Administration in Agricultural Mktg.	MBA(Ag.M)
28.	Master of Business Administration in Business Process Outsourcing	MBA (BPO)
29.	Master of Business Administration in Industrial Mktg.	MBA (IM)
30.	Master of Business Administration in Rural Mktg.	MBA (RM)
31.	Master of Business Administration in International Mktg.	MBA (Inter.M)
32.	Master of Business Management	MBM
33.	Post Graduate Diploma in Human Resource Mgt.	PGDHRM
34.	Post Graduate Diploma in International Business	PGDIB

35. Post Graduate Diploma in Marketing Management	PGDMM
36. Post Graduate Diploma in Financial Management	PGDFM
37. Post Graduate Diploma in Entrepreneurship Dev.	PGDED
38. Post Graduate Diploma in network Mktg.	PGDNM
39. Post Graduate Diploma in Production Mgt.	PGDPM
40. Post Graduate Diploma in Supply Chain Mgt.	PGDSCM
41. Post Graduate Diploma in Rural Mktg	PGDRM
42. Post Graduate Diploma in e-commerce	PGD e-com
43. Post Graduate Diploma in Co-operative Mgt.	PGDCM
44. Post Graduate Diploma in Pharmaceutical Mktg.	PGDPh.M
45. Post Graduate Diploma in Agricultural Mktg.	PGDAg.M
46. Post Graduate Diploma in Business Process Outsourcing	PGDBPO
47. Post Graduate Diploma in Computer Aided Mgt.	PGDCAM
48. Master of Philosophy	M.Phill
49. Doctor of Philosophy	Ph.D
50. Doctor of Literature	D.Litt

5.17 Viswa Bharathi School of Arts & Management Sciences

1. Bachelor of Arts in different Subjects	B.A (Different Subjects)
2. Bachelor of Business Administration	BBA
3. Bachelor of Business Administration in Info. Technology	BBA—IT
4. Bachelor of Business Administration in Accounting & Finance	BBA (A & F)
5. Bachelor of Business Administration in Human Resources	BBA (HR)
6. Bachelor of Business Administration International Business	BBA (IB)
7. Bachelor of Business Administration in Marketing Mgt	BBA (MM)
8. Bachelor of Business Administration in Entrepreneurship	BBA (Ent.)
9. Bachelor of Business Administration in Computer Aided Mgt	BBA(CAM)
10. Bachelor of Business Administration in Finance and Investment Analysis	BBA (F & IA)
11. Bachelor of Business Administration in Security Analysis And Portfolio Management	BBA (SAPM)
12. Bachelor of Business Administration (Industry Integrated)	BBA (I.I)
13. Bachelor of Business Administration in Network Marketing	BBA(NM)
14. Bachelor of Business Administration in Rural Marketing	BBA(RM)
15. Bachelor of Business Administration in Pharmaceutical Mktg.	BBM(PM)

16. Bachelor of Business Administration in Agricultural Marketing	BBA(AM)
17. Bachelor of Business Administration in Co-operative Mgt.	BBA(CM)
18. Bachelor of Business Administration in Business Process Outsourcing	BBA(BPO)
19. Bachelor in Business Management	BBM
20. Diploma in Financial Management	DFM
21. Diploma in Human Resource Management	DHRM
22. Diploma in Marketing Management	DMM
23. Diploma in Sales & Marketing Management	DSMM
24. Diploma in Agricultural Marketing	DAM
25. Diploma in Pharmaceutical Marketing	DPhM
26. Diploma in Export Documentation & Procedures	DEDP
27. Diploma in Sales	DS
28. Diploma in Sales Force Management	DSFM
29. Diploma in Distribution	DD
30. Diploma in Market Research	DMR
31. Diploma in Customer Relationship Management	DCRM
32. Diploma in Advertising	DA
33. Diploma in Media Planning	DMP
34. Diploma in Service Marketing	DSM
35. Diploma in Packaging	DP
36. Diploma in Business Administration	DBA
37. Diploma in Computer Aided Management	DCAM
38. Diploma in Finance and Investment Analysis	DF&IA
39. Diploma in Business Administration (Industry Integrated)	DBA(II)
40. Diploma in International Business Management	DIBM
41. Diploma in Entrepreneurship Development	Dip.ED
42. Diploma in Network Marketing	DNM
43. Diploma in Business Management	Dip.BM
44. Diploma in Professional Studies	DPS
45. Diploma in Insurance Management	DIM
46. Diploma in Co-operative Management	DCM
47. Diploma in Business Process Outsourcing	DBPO
48. Diploma in Business Communication	DBC
49. Diploma in rural Marketing	DRM
50. Diploma in International Marketing	DIM
51. Diploma in Public Relations	DPR

5.18 Viswa Bharathi School of Ancient Vedic Arts & Sciences

1. B. Sc. Vedic Sciences
2. B. Sc. Universal Religion
3. Bachelor of Philosophy
4. Diploma in Vedic Astrology
5. Diploma in Vedic Sciences
6. PG Diploma in Vedic Astrology
7. PG Diploma in Vedic Sciences, Philosophy and Management
8. Doctoral Programmes in Vedic Astrology
9. Doctoral Programmes in Vedic Sciences, Philosophy and Management

5.19 Viswa Bharathi School of Fashion Technology

1.	Bachelor of Arts in Beauty Care & Health Services	B.A (BC & HS)
2.	Bachelor of Arts(Hons) in Fashion Design & Retail Mgt	B.A (Hons) FD & RM
3.	Bachelor of Arts in (Hons) Fashion Design for Industry	B.A (Hons) FDI
4.	Bachelor of Arts in (Hons) Fashion Management	B.A (Hons) FM
5.	Bachelor of Arts in (Hons) Fashion Marketing & Promotion	B.A (Hons) FMP
6.	Bachelor of Arts in (Hons) Textile Design	B.A (Hons) TD
7.	Bachelor of Arts in (Hons) Fashion & Apparel Design	B.A (Hons)F & AD
8.	Master of Arts in Apparel Production, Quality Control	M.A (APQC)
9.	Master of Arts in Costume Design	M.A (CD)
10.	Master of Arts in Fashion Accessory Design & Technology	M.A (FADT)
11.	Master of Arts in Fashion Industry	M.A (FI)
12.	Master of Arts in Fashion Styling & Photography	M.A (FS & P)
13.	Master of Arts in Product Design & Dev.for Fashion Industry	M.A (PD & DFI)
14.	Master of Arts in Textile & Fashion Design Management	M.A (T & FDM)
15.	Master of Arts in Textile Design	M.A (TD)
16.	Master of Arts in Fashion Portfolio Development	M.A (FPD)
17.	Master of Arts in Fashion Development	M.A (FD)
18.	Post Graduate Diploma in Apparel Production, Quality Control	PGDAPQC
19.	Post Graduate Diploma in Costume Design	PGDCD
20.	Post Graduate Diploma in Fashion Accessory Design & Technology	PGDFADT
21.	Post Graduate Diploma in Fashion Industry	PGDFI
22.	Post Graduate Diploma in Fashion Styling & Photography	PGDFS & P

Course	Abbreviation
23. Post Graduate Diploma in Product Design & Dev.for Fashion Industry	PGDPD & DFI
24. Post Graduate Diploma in Textile & Fashion Design Management	PGDT & FDM
25. Post Graduate Diploma in Textile Design	PGDTD
26. Post Graduate Diploma in Fashion Portfolio Development	PFDFPD
27. Post Graduate Diploma in Fashion Development	PGDFD
28. Diploma in Beauty Care & Health Services	DBC & HS
29. Diploma in Fashion Designing & Retail Management	DFD & RM
30. Diploma in Fashion Designing for industry	DFDI
31. Diploma in Fashion Management	DFM
32. Diploma in Fashion Marketing & Promotion	DFMP
33. Diploma in Textile Design	DTD
34. Diploma in Fashion & Apparel Design	DF & AD

5.20 Viswa Bharathi School of Oriental Medicine

Course	Abbreviation
1. Bachelor of Indian Medicine	BIM
2. Bachelor of Ayurvedic Medicine	BAM
3. Bachelor of Ayurved in Naturopathy	B.Nat (Ayu)
4. Bachelor of Ayurved Pharmacy	B.Pharm (Ayu)
5. Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery	BAMS
6. Bachelor of Sidha Medicine	BSMS
7. Bachelor of Homeopathic Medicine	BHMS
8. Bachelor of Unani Medicine	BUMS
9. Doctor of Medicine in Ayurvedic Medicine	M.D (A.M)
10. Doctor of Medicine in Homeopathic Medicine	M.D (H.M)
11. Doctor of Medicine in Unani Medicine	M.D (U.M)
12. Ayurvedacharya Bachelor of Medicine and Surgery	AMBS
13. Acharya	Acharya
14. Alankar	Alankar
15. Ayurvedacharya	Ayurvedacharya
16. Master of Ayurved in Medicine & Surgery	MASM
17. Doctor of Ayurvedic Medicine	D.Ay.M

18. Courses for Practitioners of Indian Medicine, BHMS,BUMS,BAMS :

i. M.Sc (Clinical Pathology & D.T) **ii.** M.Sc Physiology & Anatomy **iii.** M.Sc (Psychotherapy)

iv. Diploma in Geriatric Medicine **v.** Diploma in Psychotherapy & Behavioral Sciences

vi. Diploma in Clinical Pathology **vii.** Diploma in Pharmacology & Therapeutics

viii. Diploma in Electro Cardio Graph

5.21 Viswa Bharathi School of Performing Arts & Creative Education

1. BA Graphic Design
2. BA Museology
3. BFA Dance
4. BFA Painting
5. BFA Print Making
6. BFA Sculpture
7. Bachelor of Performing Arts
8. MA Graphic Design
9. MA Conservation
10. MA Museology
11. MA Visual Research
12. MFA (Print Making / Painting / Sculpture)
13. MFA Critical Cu ration
14. MFA Critical History of Art
15. MFA Museum & Heritage Exhibition Design
16. Diploma in Guitar / Piano / Violin
17. Diploma in Fine Arts
18. Diploma in Art Appreciation
19. Diploma in Graphic Design
20. Diploma in Kathak
21. Diploma in Music Appreciation
22. Diploma in Tabla / Pakhawaj / Sitar / Vocal
23. Diploma in Western Vocal / Hindustani Vocal
24. Doctoral Programmes

5.22 Viswa Bharathi Institute of Dental Sciences

1. Bachelor of Dental Surgery — B. D. S.
2. Masters of Dental Surgery — M. D. S.
3. Diploma in Oral Surgery
4. Diploma in Orthodontics
5. Diploma in Oral Pathology
6. Diploma in Conservative Dentistry
7. Diploma in Prosthodontics

5.23 Viswa Bharathi School of Distance Learning and Continuing Education

1. Matriculation / Secondary (equivalent to 10th Standard)
2. PUC (Pre University Course is equivalent to 10+2)
3. B.A (Open University) with different Specializations
4. B.A / B.com (General)
5. B.A/B.Com (Computers)/B.B.M
6. Teacher's Training Certificate (In Service) — TTC (In Service)
7. Diploma in Education — D.Ed
8. Bachelor of Education — B.Ed
9. Master of Education — M.Ed
10. Master of Arts (Informal / Open University) with different Specializations
11. Master of Commerce (Informal / Open University)
12. B.Sc Environmental Science , Networking, Call Centre Communication, Visual Effects & Multimedia, Fashion Technology & Garment Design, Hotel Management, Medical Transcription
13. Bachelor of Science (Chemistry, Mathematics, Physics, Life Sciences)
14. M.A (English, Telugu, Hindi, Sanskrit, Economics, Political Science, History, Public Administration, Sociology)
15. Bachelor of Journalism — B.J
16. Master of Journalism — M.J
17. M.Com & M.A /M.Sc. Maths
18. M.Sc Environmental Science / M.Sc with Different Specialisation Subjects
19. P.G. Diploma in Personal Management — PGDPM
20. P.G. Diploma in Business Management — PGDBM
21. P.G. Diploma in Distance Education — PGDDE
22. Master of Law — L.L.M
23. Certificate in Library science — CLISc
24. Bachelor of Technology in Civil (Construction Management) — B.Tech (Civil)
25. Bachelor of Technology in Civil (Water Resource Management) — B.Tech (WRE)
26. Bachelor of Library and Information Science — BLISc
27. Bachelor of Science in Nursing — B.Sc (Nursing)
28. Masters Degree in Library and Information Science — MLISc
29. Bachelor of Physical Education — BPEd
30. Master of Physical Education — MPEd
31. Master of Human Resource Management — MHRM
32. Master of Business Administration (Marketing/ Insurance & Banking/ HR/ Finance) — M.B.A
33. Master of Computer applications — M.C.A

34. Bachelor of Computer Applications	B.C.A
35. Post Graduate Diploma in Hospital and Health Management	PGDHHM
36. Diploma in Early Childhood Care and Education	DECE
37. Master of Science in Computers	M.Sc (CS)

38. Master of Philosophy in (a) Arts & Social Sciences
(b) Sciences

39. Courses for Practitioners of Indian Medicine, BHMS,BUMS,BAMS :

i. M.Sc (Clinical Pathology & D.T) **ii.** M.Sc Physiology & Anatomy **iii.** M.Sc (Psychotherapy)
iv. Diploma in Geriatric Medicine. **v.** Diploma in Psychotherapy & Behavioral Sciences
vi. Diploma in Clinical Pathology **vii.** Diploma in Pharmacology & Therapeutics
viii. Diploma in Electro Cardio Graph

40. The following Hindi Courses offered :

i. Prathamika **ii.** Madyama **iii.** Rastra Basha **iv.** Pravesika **v.** Visharadha
vi. Praveena **vii.** Sahityaratna

7. The Doctoral, Post-Doctoral like D.Litt., and Research Programmes like M.Phill. in various faculties shall be offered by all the departments whichever are relevant to the faculties.
8. Provided that a subject / field of study / branch of learning shown under a college / school / Institute may be offered another college / school / Institute of this university whether specified herein or established in future
9. It is further provided that the following faculties viz. Faculty of Information Technology, Faculty of Management Studies, Faculty of Bio-Informatics and Medical Technology, Faculty of Arts and Social Sciences, Faculty of Agricultural Science, Faculty of Environmental Sciences, Faculty of Engineering and Technology, Faculty of Law, Faculty of Education, Faculty of Sciences and Applied Sciences, Faculty of Home Science, Faculty of Oriental Medicine, Faculty of Physical Education, Faculty of Medical Sciences, Faculty of Hospitality and Tourism Management, Faculty of Media and Mass Communication, Faculty of Fashion Technology, Faculty of Performing Arts and Creative Education, Faculty of Commerce, Faculty of Veterinary Science, Faculty of Pharmaceutical Sciences, Faculty of Alternative Medicine / Medical systems / Sciences, Faculty of Journalism shall be offered by the university in addition to the faculties that may come in to existence in future.
10. The University may establish as many additional schools ,colleges and Institutions imparting education in specified fields as may be necessary to meet the requirements emerging through new areas of Studies.

Ordinance -4
The condition of the Award of Fellowships and Scholarships
(Section 27(1) (d) of the Adhiniyam)

1. (a) Every year in the month of July or in any other month as prescribed by the Academic Council the University shall invite applications through a notification for the awards to be made.

(b) All awards of fellowship, Research Scholarship and other Scholarship shall be made on the basis of recommendations made by a Committee consisting of—

(i) The Vice-chancellor - Chairman

(ii) Three Academicians appointed by the Chancellor

(iii) The Registrar - Member-Secretary

2.Subject to the general conditions applicable to all Fellowship and Research Scholarship as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions of awards, except the awards of University Grants commission, shall be subjected to such conditions may be laid down by the University Grants Commission.

3. The value and duration of Scholarship/Fellowship instituted by the University shall be laid down by the Academic Council and approved by the Chancellor.

4. The award of fellowships and research scholarships shall be made subject to the following conditions: -

(i) The fellow/scholar will do whole-time research work under an approved guide on a subject approved by the University.

(ii) The fellow/scholar shall not accept or hold any appointment paid or otherwise or receive any emolument, salary, stipend, etc. from any other source during the tenure of the award nor shall he engage himself in any profession or trade during that period. He may, however, under-take teaching assignment of not more than nine hours a week in the institution, where he is working without accepting any remuneration.

(iii) The fellow/scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after commencing work under the fellowship ,scholarship.
Provided that the Vice-Chancellor may, on the recommendation of the guide, permit the Fellow/Scholar to join a Language diploma course and appear in an examination of the University.

(iv) Unless permitted by the guide to work for a specified period at some other place, the fellow/scholar shall be required to attend the institution where he is to work, on all working days.

(v) If any information submitted by the fellow/scholar in his application is found to be incorrect, incomplete or misleading, the award may be terminated by the Vice- Chancellor after giving him an opportunity of being heard.

(vi) If at any time it comes to the notice of the University that the progress or conduct of the fellow/scholar has not been satisfactory. the fellowship/scholarship may be suspended or withdrawn.

(vii) (a) Leave for a maximum of thirty days in a year in addition to general holidays may be taken by a fellow/scholar with the approval of the guide and the University. The general holidays however, do not include the vacation period e.g. summer, Dussehra, Diwali and X-mas vacations. No other leave with fellowship/scholarship shall be admissible.

(b) The fellow/scholar may, in special cases, be allowed by the University to leave without fellowship/scholarship for a period not exceeding three months during tenure of the award on the recommendation of the guide.

(viii) The fellow/scholar shall be required to pay the fees prescribed by the institution where he works.

5. Graduate and Post-graduate scholarships instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions i.e. twelve months in the first year and ten months in the second year on condition that the scholarship-holder produces a Certificate of efficiency in studies from the Head of the Department in the subject of study or the center.

6. The scholarship shall be tenable from the 1st of July if the scholarship-holder joins the course within one month of the date of the opening of the college after the summer vacation and pays the tuition fee from the commencement of the session. In any other case, it shall be tenable from the date on which the candidate joins the course.

7. The payment of scholarships shall be made only on receipt of scholar's pre-receipted bills duly countersigned by the Head of the Institution where he studies. No scholarship shall be drawn for a month unless the scholarship-holder has attended the institution regularly in the month.

8. The drawal of scholarship shall be done in accordance with the procedure that may be laid down by University.

9. A scholarship-holder shall not combine any other course of study with the course for which the award is made.

10. A scholarship shall be cancelled in the final year if the scholarship-holder fails to secure at least 70% marks in the Previous Examination of the concerned course.

11. if a scholarship-holder is unable to appear at the previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship for the months of March and April shall he paid only if the Head of the institution certifies that the scholar diligently studied for the examination, but was unable to take the examination for reasons beyond his control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session, but shall be entitled to the scholarship during the studies for the Final Examination, if the scholar passes the Previous Examination with the requisite standard in the succeeding year in the first attempt.

12. A scholarship-holder shall at all times be of good behavior and observe all rules of discipline.

13(a) A scholarship shall be liable to termination, if:

(i) the scholarship-holder discontinues studies during the middle of a session; or

(ii) the scholarship-holder, after he has been given a reasonable opportunity to explain his conduct, is, in the opinion of the Academic Council guilty of a breach of para 12 of this Ordinance. and if the Vice- Chancellor so directs, the scholarship-holder shall also be liable to refund the amount of scholarship drawn by him.

(b) The order of termination passed by the Vice-Chancellor shall be final and binding.

Ordinance No.- 5
Conduct of Examination
(Section 27(1) (e) of the Adhiniyam)

1. All arrangements for the conduct of examination to be held by the University shall be made by the Registrar with the help of Controller of Examination (Deputy Registrar-Evaluation) in accordance with such directions as may be issued by the Board of Management in consultation with the Academic Council.

2. The Registrar shall prepare and duly publish a programme for the conduct of examinations specifying the date of each examination and the last dates by which applications and fee for examination shall be paid by the intending examinees.

3. (i) The Board of Management shall determine in consultation with the Academic Council the center(s) of examination in accordance with the provisions of the Adhiniyam and the Registrar shall in consultation with the Institution where there is an examination centre appoint Superintendent and Assistant Superintendents, if any, for each examination center and shall issue instructions for their guidance.

(ii) Provided that for the purpose of appointment of an Assistant Superintendent at a center, the minimum strength of examinees appearing there- from shall be a least 300.

(iii) The Superintendent of the Examination at each center shall be personally responsible for the safe custody of question papers and the answer-books sent to him and shall render to the University office a complete account of used and unused question papers and answer-books.

(iv) The Superintendent shall supervise the work of invigilators working under him.

4. It shall be the duty of the Centre Superintendent to ensure that an examinee is the same person who had filled in the form of applicant for appearing at the examination, by way of checking the photograph pasted on the form and admit card

5. The University may change the examination centre of the examinees any time if it deems proper without assigning any reason.

6. The Registrar may, on the recommendation of the Centre Superintendent, appoint an amanuensis to write down dictation pertaining to answers to question at the examination on behalf of an examinee who is unable to write himself/herself if he/she is medically handicapped duly certified by a Government Medical Officer, provided that such an amanuensis shall be a man / woman possessing qualification of at least one class / examination lower than that of the examinee concerned.

7. The University may from time to time appoint Inspectors or Board of inspectors to see that the conduct of the examination is strictly according to the rules and procedures laid down. In the event of the Inspector pointing our serious breach of rules or procedure, the Vice-Chancellor may take such action as may be necessary including postponement or cancellation, wholly or in

part, of the examination at the centre, and if any such action is taken, a report of the action taken shall be made to the Board of Management at its next meeting.

8. The Vice-Chancellor may cancel an examination at all centers if he/she is satisfied that there has been a leakage of question paper(s) or any other irregularity which in his opinion warrants such a step and report the action taken at the next meeting of Board of Management.

9. The Board of Management may issue such general instructions, for the guidance of the Examiners, Centre Superintendents, Tabulators, Collators, as it considers necessary for the proper discharge of their duties.

10. If a candidate has any communication to make on the subject of his/her examination paper, it shall be made in writing to the Registrar direct.

11. Any attempt made by or on behalf of a candidate to secure preferential treatment in the matter of his/her examination shall be reported to the Registrar who shall place the matter before the Vice-Chancellor.

12. Except as otherwise decided by Board of Management the examination answer-books and the foil and counter foil of the marks obtained by the examinees except the tabulated results, shall be destroyed or otherwise disposed off after 6 months from the date of the declaration of the results of the examination provided that the evaluated answer books of revaluation shall he destroyed/disposed off after 3 months of the declaration of the revaluation result.

13. The Registrar shall publish the results of the University examinations on the notice hoard of the office of the University. The result, when published, shall simultaneously be communicated to the institutions concerned.

14. The remuneration of the Examiners, Superintendents ,Assistant Superintendents, invigilators, tabulators and Collators and deductions to be made in remuneration for errors noticed shall be such as may prescribed from time to time by the Board of Management.

15. No examinee shall leave the examination hall within half an hour of the start of the examination for any purpose whatsoever and no latecomer will be permitted for the examination after half an hour of its commencement.

16. Examinees desirous of leaving the examination hall temporarily shall be permitted to do so for a maximum period of 5 minutes. The absence shall be recorded and if the examinee fails to return within this limit of 5 minutes. he/she shall not be permitted to enter the examination hall, unless he/she gives convincing explanation.

17. A Candidate found talking during the examination hours shall be warned not to do so. If the candidate continues talking inspite of the warning by the invigilator, the answer-book of such examinee shall be withdrawn and a second answer book shall be supplied. Only the second answer-book shall be sent for valuation. The first answer-book shall be cancelled and sent to the Registrar, by the Superintendent.

18. The Superintendent of an examination centre shall take action against an examinee who is found using or attempting to use unfair means in the examination hall or within the premises of the examination centre during the hours of examination, in the following manner:

(i) The examinee shall be called upon to surrender all the objectionable material found in his or her possession including the answer-book and a memorandum shall be prepared with date and time.

(ii) The statement of the examinee and the invigilator shall be recorded.

(iii) The examinee shall be issued a fresh answer-book marked Duplicate Using Unfair Means to attempt answers within the remaining time prescribed for the examination.

(iv) All the material so collected and the entire evidence along with a statement of the examinee and the answer-book duly initialed shall be forwarded to the Registrar by name, in a separate confidential sealed registered packed packet marked "Unfair Means" along with the observations of the Superintendent.

(v) The material so collected from the examinee together with both the answer-book, viz, the answer-book while using unfair means and the other supplied afterward, will be sent to the Examiner by the Registrar for assessing both the answer-books separately and to report if the examinee has actually, used unfair means in view of the material collected.

(vi) The cases of the use of unfair means at the examination as reported by the Centre Superintendent along with the report of the Examiner shall be examined by a Committee to be appointed by Board of Management every year.

(vii) The Committee shall after examining all documents of the case decide the action to be taken in each case and report to the Vice-Chancellor regarding the action taken in accordance with the regulations made by the Board of Management for the purpose.

19. (1) where a candidate applies for revaluation the answer-book in which revaluation is sought will be sent for valuation by the Vice-Chancellor to two examiners (other than the one who initially valued it). Each of the two examiners shall receive a remuneration as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

(2) If the marks awarded in the paper by any of the two examiners varies from the marks given by the original examiner by more than 10% maximum marks in the paper, the average of the marks awarded by two of the examiners the original examiner and the two revaluers and nearest to each other will be taken to represent the "correct valuation". This average of marks will be awarded to the candidate and his result shall be revised accordingly.

Provided that subject to the condition that at least one of the variation from the original marks is more than 10% of the maximum marks in the paper of two difference in marks allotted by the three examiners are equal, the two marks to the best advantage of the candidate shall be taken into account for arriving at the correct valuation.

20. In this Ordinance and in all Ordinances and Regulations laying down conditions for appearing at an examination of the University for a degree or a diploma either generally or for a particular examination, unless there is anything repugnant in the subject on context:

(i)"Regular candidates" means a person who has prosecuted a regular course of study in a University Teaching Department, School of Studies or an institution/affiliated college identified as a centre and seeks admission to an examination of the University as such.

(ii) "Ex-student candidate" means a person 'who was admitted to an examination as a regular candidate and was not declared successful there at or was not able to appear in the examination though admission card was correctly issued to him by the University and seeks admission again to the said examination.

(ii) A candidate shall be admitted as a regular candidate only when he has attended at least 75% of lectures and practicals separately.

(iii) In computing the attendance for fulfillment of the condition regarding prosecution of a regular course of study:

(a) Attendance at lectures delivered and practical/clinical/sessional, if any held during the academic session shall be counted.

(b) Attendance at any lecture delivered or practical/clinical / sessional held within seven days preceding the first day of the written examination shall not be counted for the purpose in case of annual examination.

(c) Attendance kept by a regular candidate in a higher class shall be counted towards percentage of attendance for examination of lower class to which he may revert as result of his failure to pass in the supplementary examination.

(d) Attendance at N.C.C./N.S.S. Camp during the session shall be taken as full attendance at lectures/practicals on each such day of camp and the days for journey to such camp.

(e) Participation as a member of a University team in any Inter University competition shall be taken as full attendance on the days of such competition and the days of journey for participating therein.

(v) For special reasons such as prolonged illness deficiency in percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practical /clinical/ sessional held in each subject may be condoned by the Vice- Chancellor.

21. (1) No ex-student candidate shall be admitted to an examination of the University unless he submits with his application for appearing in the examination.

(i) The statement of marks (in original) obtained by him at the said examination issued by the University together with an attested copy thereof, or

(ii) In case he was duly admitted to the said examination as a regular candidate but he could not appear there and a certificate from the institute last attended by him showing the year, the roll number and the examination to which he was admitted as a regular candidate.

(2) Every ex-student candidate shall appear at the Examination Centre at which he appeared as regular candidate.

22. Where there are two or three examination for any degree such as part I, II and III or previous and final examinations and there are two or more alternative subject/course for such a degree, a candidate for the degree must take the same subject/course in part III / final examination as he has taken in the parts I and II / previous examination.

23. Candidate who has passed the Bachelor's degree Part I or Part II examination or the previous examination for a Master's degree of another University may with the permission of the Vice-Chancel1or be admitted to the next higher examination of the University for the degree concerned provided the course offered by the candidate at such other University is equivalent to the course of the University for the corresponding examination.

24. No person who has been expelled or rusticated from any college or University or has been debarred from appearing at a University examination shall be admitted to any examination during the period for which the sentence is in operation.

25. In application for admission to an examination received by the Registrar after the last date notified by the University but not later than fifteen days after such last date may be entertained on payment of a late fee as prescribed by the University from time to time.

26. Notwithstanding anything contained in the Ordinances relating to admission of candidates to an examination of the University the Vice-Chancellor may, in special cases in which he is satisfied that the delay in submitting the application for admission to an examination is not due to lack of vigilence on the part of the candidate and that it would be a great hardship to the candidate if his application is rejected, allow an application which is otherwise complete in all respects to be entertained with the late fee prescribed by the Management from time to time even though the same is received after the expiry of the period of fifteen days mentioned in the foregoing paragraph

27. (1) The Registrar shall issue an admission card in favour of a candidate if:
(a) The application of the candidate is complete in all respects and in accordance with the provisions applicable to him and in order.
(b) The candidate is eligible for admission to examination, and
(c) The fee as prescribed has been paid by the candidate.

(2) Where the practical examination is held earlier than the examination in theory papers a candidate shall not be deemed to have been admitted to the examination until he is issued an admission card for appearing in the examination.

(3) The admission card issued in favour of a candidate to appear at an examination may be withdrawn, if it is found that :—

(a) The admission card was issued by mistake or the candidate was not eligible to appear for the examination.

(b) Any of the particulars given or document submitted by the candidate in or with the application for enrollment, admission to institute, teaching department at all campuses/affiliated institute/college or school of studies or admission to an examination is false or incorrect.

(4) The Registrar may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed, grant a duplicate admission card on payment of a fee prescribed by the University. Such card shall show in a prominent place the word "Duplicate".

28. A candidate shall not be admitted into the Examination hall unless he produces the admission card before the Superintendent of Examination Centre or the invigilator or satisfies such officers that it shall be produced. A candidate shall produce his admission card whenever required by the Superintendent or the invigilator.

29. (a) In the Examination Hall the candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the centre and he shall obey his instructions. In the event of a candidate disobeying the instruction of the superintendent of his indiscipline conduct or insolent behavior to ward the superintendent or any invigilator the can didate may be excluded from the rest of the examination by the Superintendent of the Centre.

(b) If a candidate acts in a violent manner or uses force or makes a display of force towards the Superintendent or any invigilator at the centre or in its precincts endangering the safety of either of them or acts in a manner unlikely to the authorities in the discharge of their duties, the Superintendent may expel the candidate from the centre and he may take police help.

(c) If a candidate brings any dangerous weapon within the precincts of the examination centre he may be expelled from the centre and/or handed over to the police by the Superintendent.

(d) A candidate expelled on any of the grounds mentioned in (b) or (c) above will not be allowed to appear in the subsequent papers.

(e) In every case where action is taken by the Superintendent under (a), (b) or (c) above a full report shall be sent to the University and the Vice Chancellor may according to the gravity of the offence, further punish a candidate by cancelling his examination and/or debarring him from appearing at the examinations of the University for one or more year after giving the candidate an apportunity to show cause and considering any explanation submitted by the candidate.

30. (1) A candidate who, due to sickness or other cause, is unable to present himself/herself at an examination, shall not receive a refund of his/her fee.

(2) The fees paid by a regular candidate who is debarred from appearing at an examination due to shortage in attendance at lectures / practicals, may be refunded after deduction of service charges of 20%.

(3) Examination and other fee of a candidate whose application for appearing at an examination has been rejected for some reason or he could not furnish his form within the prescribed date; necessary fee having been paid in the University account, may be refunded after deduction of service charges of 20%.

(4) If as a result of scrutiny it is found that the examinee should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly.

31. (1) If a candidate wants to get the marks in any or all papers recounted, he shall apply in prescribed form along with a fee of Rs. 200 /- per paper or such fee as may be fixed by the Board of Management from time to time. Such application shall be made within one month from the date of publication of results

(2) If a candidate wants to get his/her answer book / script revalued, he/she shall apply in prescribed form along with a fee of Rs. 500/- per paper / script or such fee as may be fixed by the by the Board of Management from time to time. Such application shall be made within one month from the date of publication of results.

(3) In the above two cases the candidate will be informed of the result.

32. A candidate who is appearing in any final degree examination shall deposit a fee of Rs.200/- along with the examination fee for a Degree Certificate and Rs.100 /-for Provisional Degree Certificate of passing the examination of the University.

33. No person who is under sentence of expulsion or rustication from a University Teaching Department, School of Studies or College or from the University or is debarred from appearing at examination of the University for any period of time shall be granted a Migration Certificate during the period for which the sentence is in operation.

34. Duplicate copies of the following certificates shall be granted on payment of the fee mentioned against each viz.

(I)	Mark List	-	Rs.500/-
(ii)	Migration Certificate	-	Rs.500/-
(iii)	Provisional Certificate	-	Rs.500/-
(ivy	Degree Certificate	-	Rs.1000/-

Provided further that duplicate copy of Migration Certificate shall not he granted except in cases in which the Registrar is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force that the applicant has not utilized the original Migration certificate for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant has real need for a duplicate.

35. Duplicate of University Degree /Diploma /certificate shall not be granted except in which the Vice-Chancellor is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper Value required by law for the time being in force. that the applicant has lost his Degree / Diploma /certificate , or that it has been destroyed and the applicant has real need for a duplicate. In such cases, a duplicate of the diploma may' he granted on receipt of a fee of Rs.1000/-.

36. The names of first ten successful candidates in each final Degree examination other than supplementary examination who obtain first division shall be declared in order of Merit after result of revaluation is declared.

37. Notwithstanding anything contained in the concerned Ordinance an examinee who has appeared in all the theory, practicals, viva, internal assessment field work. project work at the annual examination in first attempt and fails by a total of not more than three marks in net more than two subjects in any of the Graduate examination except for where it is held on semester basis but secures more than the minimum aggregate marks required shall be given three grace marks to enable him to pass the examination.

38. The Vice-Chancellor may award one grace mark in case the Candidate is failing by one mark or missing a division by one mark. Where the deficiency so condoned, one mark shall nowhere be added.

39. The candidate who failed in any number of papers in the main examination is eligible to appear for them in the successive examinations on payment of the prescribed fee along with application.

40. The Remuneration of the Paper Setters will be Rs. 250 per Paper. The Remuneration of the paper evaluators shall be Rs. 10 per copy. The Remuneration of the invigilators shall be Rs. 75 per shift . The Assistant Superintendent shall get a remuneration of Rs. 125 Per shift. The superintendent shall get a remuneration of Rs. 175 per shift. The tabulators shall get a remuneration of Rs. 100 per shift. The moderators shall get a remuneration of Rs. 200 per shift/question paper as the case may be.

Ordinance No. 6
Appointment of Examiners and Fees to be charged
(Section 27 (1) (1) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance: -

(i) "Internal Examiner" means:

(a) In case of theory paper, an examiner including a paper-setter who is a teacher in a University Teaching Department / School of Studies / Faculties or institutions identified as centers or other Campus/(es) of the University.

(b) In case of practical and viva-voce examination an examiner who is a teacher in the Institution whose candidates are being examined at the examination centre.

(ii) "External Examiner" means an examiner other than an internal examiner.

(iii) "Co-examiner" means an examiner in a written paper other than the paper setter.

2. The office of the Registrar shall prepare for every subject and institution wise list of names of persons qualified for appointment as examiners. The list shall be in two parts, the first part containing the names of persons working as teacher in the 'University Teaching Department, School of studies / Faculties or institution identified as centers or Regional Campus of the University and the second part containing names of persons other than teachers of the University qualified for appointment as examiners, whose names shall be obtained by the Registrar's office from other Universities on its own initiative or under the direction of the Chairman of the Board of Studies concerned.

3. The list shall contain, as far as possible, information relating to the persons included therein on the following points namely-

(a) The academic qualifications and teaching experience at degree and post graduate levels.

(b)The field of specialization.

(c) The examinations of the University and years in which they acted as examiners in the past.

4. (i) The list so prepared shall be made available to the Examination Committee concerned constituted by the Vice- Chancellor for each subject.

(ii) The examination Committee shall consist of
- (a) Vice – Chancellor as Chairman.
- (b) Dean of faculty as member
- (c) One member of Board of Studies nominated by Vice- Chancellor.
- (d) Controller of examination as member secretary

5. The Registrar's office shall also give Examination Committee the approximate number of candidates expected to appear at each examination and the list of centers of each practical/viva-voce examination together with the estimated number of candidates there at.

6. The Examination Committee shall, in the light of the provisions of the following paragraphs. recommend
   (i) A panel of three names, for the appointment of the paper-setter of each written paper.
   (ii) A list of names of persons for appointment as co-examiners where necessary, the number of names included in the list being at least fifty percent in excess of the number to be appointed.
   (iii) A list of names of persons for appointment as examiners in each practical / Viva-Voce examination, the number of names included in the list being sufficient for the conduct of practical! Viva — Voce examination at different centres.

7. The Vice-Chancellor shall appoint paper-setters, co-examiners, practical / Viva-Voce examiners ordinarily from amongst persons recommended by the Examination Committee. He may, however, appoint a person whose name is not included in the list of names recommended by the Examination committee if he is satisfied that the person in question possesses the minimum qualification and his appointment will not be contrary to the provisions of the following paragraphs.

8. The qualifications of the paper - setter and Co- examiners shall be as follows namely.

   A) Paper-setter:

	Examination	Qualification
(i)	Post -graduate examination in all Faculties other than Law	i) Experience of teaching the subject at the post graduate level for the at least five years OR Experience of teaching the subject at the post graduate level for at least five years together with research experience / total teaching experience at the degree and / or post graduate level for at least seven years /
(ii)	L.L.M	(ii) Master's degree or higher degree in law and teaching experience at L.L.M. level for at least seven years. OR Experience as High Court Judge. OR Standing of at least fifteen years at the Bar.

(iii) Degree examination in all Faculties other than Engg. Law, Medicine, and Oriental Medicine	(iii) Teaching the subject at Degree and / or Post graduate level for at least five years.
(iv) Degree examination in Faculty of Engineering &Technology	(iv) Teaching Experience at UG / Post graduate level and / or Professional experience for at least seven years.
(v) Degree examination in the Faculty of Oriental Medicine and Medicine except For Pharmacy and Nursing	(v) Teaching experience in the subject at the degree and / or post graduate level for at least five years or 7 years of Professional experience.
(vi) LLB.	(vi) Teaching experience of LLB and or LL M classes for at least seven years OR Judicial experience as District Judge for at least five years OR Standing of at least twelve years at Bar.
(vii) Diploma examination in all Faculties other than those in the Faculty of Medicine	(vii) Teaching experience of at least three years of Degree and/or five years of Diploma classes.
(viii) Diploma examination in the Faculty of Medicine	(viii) A Doctor's or Master's Degree or a post graduate Diploma of a recognized University or equivalent qualification in the subject and at least five years teaching experience in the subject in any University or College recognized by the Medical Council of India.
(ix) Post-graduate Diploma in all Faculties	(ix) At least seven years teaching experience at the degree level or at least five years teaching experience of post – graduate Degree / Diploma classes in the subject.
(x) Degree in Pharmacy	(x) At least master Degree examination in Pharmacy with 3 years teaching experience
(xi) Degree in Nursing	(xi) At least a Masters Degree examination in Nursing with 2 years practical / teaching experience.

B) Co- examiners

The qualification shall be the same as for the Paper - setter but the minimum teaching / professional experience required shall be less by two years than that prescribed in the case of the Paper-setter.

Provided that in case of degree examinations where sufficient number of Paper Setters/ internal / co-examiners in a subject with the aforesaid qualifications are not available, teacher in the University Teaching Department/School of Studies and College in the University with at least three years teaching experience at the degree/post-graduate level in the Subject shall be eligible for appointment as Co-examiners. Provided further that in case of emergency any recognized teacher / practitioner with the permission of the Vice-Chancellor may be appointed as Paper Setter / Co-examiner.

9. (1) In case of practical and Viva-Voce examinations at the post-graduate level, the external examiner shall be a person not below the rank of a Reader / Associate Professor.

(2) In ease of Practical and Viva-Voce examinations at the first degree level the external examiners shall be a teacher of the subject with not less than three years experience of teaching the subject at the degree and/or post-graduate level.

(3) The internal examiner in case of Viva-Vo,ce examination at the post-graduate level shall be a senior teacher in the subject in the Institution whose regular candidates are to be examined at the Centre.

(4) The internal examiner in case of practical examination both at the degree and the post-graduate level shall be appointed from amongst the teachers of the Institution, whose regular candidates are to be examined at the Centre, on the recommendation of the Head of such Institution.

(5) The external examiner at the post-graduate level in case of a Practical/Viva-Voce examination shall not ordinarily be a teacher in a University Teaching Department/School of studies or centre of the University.

(6) Except in the Faculties of Medicine, Oriental Medicine, Engineering, Information Technology, Education and Physical Education all external examiners in case of practical examination at the first degree level shall as far as possible be appointed from amongst the teacher in any University Teaching Department, School of Studies or centres of the University.

10. (1) Ordinarily 50% of the paper-setter at the post-graduate examination and 25% of the paper-setter at the first degree examination in any subject shall be external.

(2) Where in any paper more than one examiner is appointed, the paper-setter shall be the Head-examiner. Examiners other than the Paper-setter shall be the Co- examiners However the senior most examiner may be appointed as Head Examiner by the Registrar.

(3) All Co-examiners shall be internal, provided that if sufficient number of qualified teachers in a subject are not available for appointment as Co-examiners, external Co-examiners may be appointed.

(4) For appointment as Paper-setter and Co-examiners teachers in the University Teaching Department, School of Studies and center / Regional Campuses of the University shall ordinarily be considered on the basis of seniority, subject to fulfillment of other conditions for such appointment.

11. (1) No one shall ordinarily be given more than one theory examiner-ship (paper-setter or Co-examiner-ship). In case the Examination Committee considers it necessary to recommend more than one examiner-ship (one for the first degree examination and one for Post-graduate examiner-ship) in case of any person it shall specify the reasons for doing so for the consideration of the Vice-Chancellor.

(2) Ordinarily not more than one paper-setter shall be appointed from any one University Teaching Department, School of Studies or College in the same Subject at any one examination.

(3) No one who is a paper-setter at any post-graduate examination shall be appointed as an external Viva-Voce examiner at that examination.

(4) No one shall ordinarily be given more than two external Practical examination-ships, provided that in case of Centre where the total strength of candidates appearing at Part I, II and III of a first degree examination or previous and final in case of post graduation is less than 120, one external examiner may be appointed for all the three / two examinations.

(5) In case of under graduate practical examinations, one external examiner shall not ordinary examine more than 120 candidates and in case of Post Graduate shall not examine more than 100 candidates.

(6) In case of written examination, an examiner shall not ordinarily value more than 250 scripts and a Co-examiner shall be appointed if the number of candidates appearing in the paper is more than 300.

(7) While recommending names for examiner-ship in faculties where English is not the sole medium of examination the Examination-Committee shall ensure that the examiners recommended can value the scripts written in Hindi or any regional language.

(8) The provision of sub-paragraphs (1) and (2) above shall not apply in case of Examination in the Faculties of Engineering, Information Technology, Education, Physical Education, Medicine and Oriental Medicine.

12. (1) Examiner shall be appointed for the examination of one year only, but they shall be eligible for re-appointment.

(2) Any person who has acted as an examiner (paper-setter, Co-examiners or external Viva-Voce examiner) for three consecutive years shall, ordinarily, not be eligible for re-appointment until a period of one year elapses between the year in which he last acted as an examiner and the year in which he is re-appointed.

Provided that such a gap will not be necessary in case of internal examiners if the number of eligible examiners in the subject concerned is less than the number of internal examiners required.

Provided, also that on the recommendation of the Examination Committee a specialist or expert may be continued for two years more after the expiry of the three years period without gap.

(3) An examiner may be discontinued any time even before the expiry of the three years period if his work is unsatisfactory in the opinion of the Vice Chancellor. An examiner's work shall be deemed to be unsatisfactory if (i) mistakes of such nature are found in his work in the course of checking and scrutiny which affect the result or (ii) he is found by the Board of Management to have delayed the work without good cause or (iii) there is an adverse report from the Head Examiner giving proof of allegations clearly, or (iv) in the opinion of the Board of Management there are reasonable doubts about his integrity or suspicion that he is accessible to examinees or their relations and/or (v) If there are serious complaints against his paper e.g. that his paper was much above or below the standard or contained questions outside the prescribed course.

13. (1) In a paper for which there is only one examiner, he shall set the paper and value the answer-books received by him.

(2) In a paper for which more than one examiner has been appointed, the head examiner shall
   (i) Set the paper
   (ii) Forward a memorandum of instructions for the guidance of the co examiners to secure conformity with his own standard in the valuation of the answer-books by his co-examiners.

14. If for any reason an examiner becomes unable to value the answer-books or to perform the duties of the Head Examiner, after setting the question paper, he shall be entitled to receive

only the amount of fees for paper setting the evaluation fee being payable to the examiner who values the answer-books or acts as Head Examiner.

Provided that if the paper-setter dies before he is able to take up or complete the valuation of answer-books, full fee prescribed for paper setting shall be paid to the heirs of such paper-setter.

15. In any subject, if a Viva-Voce examination is prescribed, it shall be conducted by a board of two examiners of whom one shall be an external examiner and the other internal.

16. In the case of a subject of Post Graduate Examination where thesis is permissible in lieu of a paper or a project there shall be a Board of two examiners for evaluating the thesis. The valuation of the same shall be carried out in the manner as prescribed by the examination committee.

17. In case of an examination for a research degree, the Examination Committee shall recommend for each thesis to be examined a panel of at least six names of persons who:

(a) Possess a research degree in the subject and at least ten years teaching experience at the postgraduate level OR

(b) Are scholars of repute in the subject.

18. (i) No person shall act as paper-setter or examiner either in theory, Viva-Voce or practical examination if any of his relations is taking the examination, provided that this provision shall not debar a person from acting as an examiner for practical at a Centre other than at which his relation is appearing.

(ii) No person shall act as moderator or tabulator for any examination if any of his relations is appearing/has appeared at that examination.

19. (a)The fees charged for various courses, degrees and Diplomas of the University shall be in the range of a minimum of Rs. 10,000 (Rs. Ten thousand) and a maximum of Rs. 50,000 (Rs. Fifty Thousand) in Each semester. The fees charged for various courses, degrees and Diplomas of the University shall be in the range of a minimum of Rs. 20,000(Rs. Twenty thousand) and a maximum of Rs. 100,000 (Rs. One Lakh) in Each year. The examination fees shall be a minimum of Rs. 1000(one thousand) and a maximum of Rs. 10000/- (Ten thousand) Each semester or Per year as the case may be.

(b)The fees to be charged for the various courses examinations, degrees and diplomas of the university in the subsequent semester/(s)/year/(s) may be subjected to change by the Academic Council with the prior approval of the Board of Management.

Ordinance No. 7
Condition of Residence in the Hostel
(Section 27(1) (g) of the Adhiniyam)

I. The hostel maintained by the University will provide accommodation to its students.

2. Each student wishing to reside in the hostel shall apply through the Head of the Department in the prescribed form and must furnish an undertaking to the effect that he will abide by the rules and regulations of the Hostel.

3. Every hosteller shall at all times be of good behaviour, maintain decorum and dignity and observe all rules of the hostel failing which he shall be expelled from the hostel by the warden.

4. The admission to hostel shall be granted at the discretion of the Warden .in consultation with Chief-Warden. The student in no case will be allowed to stay in the hostel for more than the prescribed minimum duration of the course as a student of a particular course.

5. The student will occupy the room allotted to him by the Warden. No mutual exchange shall he permitted without the permission of Warden.

6. No alcoholic drinks or any other intoxicants, tobacco products, fire arms or weapons, etc., shall be permitted in the hostel.

7. Ordinarily no guest shall be allowed to stay in the hostel during night.

8. The hostellers are required to keep their rooms clean and tidy. Inspection of the hostel can be made by the Warden and Chief-Warden without any notice.

9. No meeting or gathering of the students can be made in the hostel without the permission of the Warden and Chief-Warden both.

10. The absenting from the hostel or coming late to the hostel after the roll call without prior sanction of the Warden shall be liable to a fine of Rs.I00/- on each occasion. Habitual reoccurrence of such offence may result in the expulsion of the hosteller from the hostel.

11. The Warden is empowered to deal with any breach of hostel rules, neglect of duties or irregularities and other misleads of the hostlers in accordance with the rules framed by committee constituted by the board of management for the management of hostel.

12. The Warden for each hostel and Chief-Warden for all the hostels shall be appointed by the Vice-Chancellor.

Ordinance No. 8
Maintenance of Discipline amongst students
(section 27 (1) (h) of the Adhiniyam)

1. All students pursuing a course of study at the University Teaching Department / Campus(es) /affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes shall observe a code of conduct.

2. Any violation of the code of conduct or breach of any rule or regulation of the University Teaching Department/Campus(es) /affiliated /recognized college/institution. / study Centre as mentioned in First statutes by the student shall constitute an act of indiscipline and shall make him/her liable for disciplinary action against him/her

3, The Following acts shall constitute acts of gross indiscipline and students indulging in any of them shall be liable for disciplinary action against him.

a. Disobeying the teacher.

b. Misbehaving in the class.

c. Quarrelling fighting and passing derogatory remarks in the University Teaching Department / Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes, premises.

d. Quarrelling, fighting or abusing the University Teaching Department / Campus(es) /affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes employees, workers of canteen, mess or any other public utility functioning in the campuses.

e. Behaving in an indecent manner and harass the teachers, employees of the University Teaching Department/Campus(es)/ affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes or fellow students in the campus and outside.

f. Indulge in ragging.

g. Any other act which the Discipline Committee may determine to be undesirable.

4. The Dean (Discipline) may be appointed by the Board of Management for a period of two years. He may be removed by the Board of Management before the expiry of the term of two years

5. The Directors/ Principals shall be responsible for maintaining discipline at the Regional Campus(es) / Off-Campus Programme Centres / Study Centres / Academic Centres.

6. The Powers and Duties of Dean (Discipline) subject to the control of Vice – Chancellor
(i) Take action in all matters of indiscipline brought to his notice by any teacher,

student(s), employee(s) of the University Teaching Department/Campus (es) /affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes or any responsible person.

(ii) If any act of indiscipline comes to his notice, it shall be his duty to take necessary action to curb down indiscipline.

(iii) If in the opinion of Dean (Discipline), the act of indiscipline is not of a serious nature, he may hold a summary inquiry and shall have powers to impose following penalties.

(a) issue a formal warning

(b) a reasonable fine not exceeding Rs. 1,000/-

(iv) If in the opinion of Dean (Discipline) the breach of discipline is of a serious nature, he may get the preliminary inquiry conducted by either a Director or a Principal he deems fit. The inquiry report shall be placed before a Committee consisting of at least three persons, constituted by the Dean (Discipline).

(v) The Committee shall issue the show cause notice specifying the charges and call upon the accused to present his/her explanation and examine all relevant documents and/or evidences and recommend for the punishment.

(vi) The recommendation of imposing fine or issuing a warning shall be sent to Dean (Discipline) for executing, all other recommendations shall be placed before the Vice- Chancellor. On the approval by the Vice-Chancellor, the punishment shall be executed by the Dean (Discipline).

(vii) The Dean (Discipline) can delegate his powers to the Directors or Principals or Head, University Teaching Department/ Regional Campus(es)/ Off-Campus Programme Centres / Study Centres / Academic Centres as mentioned in First statutes

Ordinance No. 9
Other Bodies for improvement of Academic life of the University
(Section 27 (1) (i) of the Adhiniyam)

I. In addition to the Academic Council [Section 19 (1) (3)] the University shall have following bodies for the improvement of academic life of the University.

(i) Faculty
(ii) Board of Studies

II. Faculty: 1 Each faculty shall consist of following members

(a) Dean of the faculty — Chairman
(b) All Chairmen of the Boards of Studies of the subjects included in the faculty.
(c) All Professors of the University teaching Departments assigned to the faculty.
(d) Two Readers of University Teaching Departments of the subjects assigned to the faculty nominated by Vice - Chancellor by rotation in order of seniority or otherwise.
(e) Two Readers of Centre / various Campuses of University nominated by Vice-Chancellor by rotation according to seniority or otherwise.
(f) Six Lecturers drawn from University Teaching Departments in the subjects assigned to the faculty, nominated by Vice-Chancellor by rotation according to seniority or otherwise.
(g) Two persons co-opted by the faculty having expert knowledge of the subjects assigned to the faculty. Provided that the co-opted persons shall be of different subjects.

1. All members of the faculty other than ex-officio members and Deans shall hold office for a term of two years.
2. One-fifth of the total membership of the faculty shall constitute quorum
3. The Faculty shall have the following powers
   (a) Subject to the control of the Academic Council to organize, Coordinate and Regulate teaching and research activities of the Departments assigned to it.

   (b) To approve the courses of studies for different examinations proposed by the board of studies and to remit matters to board of studies.
   (c) To recommend to the Academic Council the conditions for the award of degrees. diplomas. certificates and other distinctions including the Scheme of examinations for different degrees.
   (d) To deal with such other matters relating to the subjects within its purview as may be referred to it by the Academic Council or the Vice-Chancellor.
   (e) To hold meetings, Joint meetings of faculties with the approval of Vice-Chancellor with a view to develop multidisciplinary courses. Such joint meetings shall be presided over by a Dean nominated by the Vice-Chancellor.

4. The following shall be the faculties and the subjects assigned to them

S. No.	Name of faculty	Given There Under Subjects or Group of Subjects/departments
1.	Faculty of Information Technology	1. Information Technology 2. Electronics and Telecommunication
2	Faculty of Management Studies	1. Management 2. Commerce
3.	Faculty of Bio-Informatics and Medical Technology	1. Bio-Technology and Bio-Informatics 2. Medical Lab Technology 3. Physiotherapy 4. Occupational Therapy
4.	Faculty of Arts and Social Science	1. English and other European Language 2. Sanskrit, Pall and Prakrit 3. Hindi 4. Literature 5. Urdu, Arabic and Persian 6. Modern Indian Languages 7. Philosophy 8. Library Science 9. Music and Dance 10. Drawing and Painting 11. Chinese and Japanese Studies 12. Anthropology 13. Ancient Indian History, Culture and Archaeology 14. Economics 15. Geography 16. History 17. Political Science and Public Administration 18. Psychology 19. Defense Studies 20. Rural.Extension Service 21. Sociology and Social Work
5.	Faculty of Agricultural Sciences	1. Agriculture and Horticulture 2. Genetics and Plant Breeding 3. Sericulture
6.	Faculty of Environmental Sciences	1. Environmental Science
7.	Faculty of Engineering	I. Applied Physics 2. Applied Chemistry 3 Applied Mathematics 4. Applied Geology 5. Electronic Engineering 6. Chemical Engineering 7. Chemical Technology

8. Architecture
9. Civil
10. Mechanical
11. Planning
12. Textiles

8. Faculty of Law
   1. Law

9. Faculty of Education
   1. Education including Science Education
   2. Applied Psychology
   3. Physical Education
   4. Yogic Science

10. Faculty of Science and Applied Sciences
    1. Physics
    2. Chemistry
    3. Botany
    4. Zoology
    5. Bio-Chemistry
    6. Microbiology
    7. Life Sciences
    8. Mathematics
    9. Earth Sciences (Geology)
    10. Statistics
    11 Criminology and Forensic Science

11. Faculty of Home Science
    1. Home-Science

12. Faculty of Oriental Medicine
    1. Indian Medicine
    2. Ayurvedic Medicine
    3. Homeopathic Medicine
    4. Unani Medicine
    5. Sidha Medicine

13. Faculty of Physical Education
    1. Physical Education

14. Faculty of Medicine
    1. Anatomy, physiology and Bio-Chemistry
    2. Pharmacology, Forensic Medicine and allied subjects
    3. Preventive and Social Medicine
    4.Pathology and Microbiology
    5.Medicine, Skin and general diseases, Tuberculosis, Psychiatry
    6.Surgery and Anesthesiology
    7.Orthopedics and Ear, Nose and Throat (ENT)

8.Obstetrics and Gynecology and Pediatrics

9.Ophthalmology and Radiology

10.Nursing

11.Dentistry (If there is a separate college of Dentistry)

12.Paramedical Courses.

15.Faculty of Hospitality & Tourism Management

1. Hospitality and Tourism Management

16. Faculty of Media & Mass Communication

1. Journalism and Mass Communication

17. Faculty of Fashion Technology

1. Fashion Technologies and Management

18.Faculty of Performing Arts & Creative Education

1. Performing Arts & Creative Education

Provided that the Academic Council on the recommendation of faculty shall have power to add or delete the subject in each faculty.

III. Board of Studies

i. The Board of Studies for each subject or group of subjects / Departments shall be constituted.
ii. The constitution, powers and duties of Board of Studies shall be as prescribed in Ordinance-2.

IV. Dean of Faculty

The Dean of faculty shall be appointed by the Vice-Chancellor in the manner laid down in Statute.

Ordinance No. 10
Cooperation and Collaboration with other University and Institution of Higher Education
(Section 27 (1) (j) of the Adhiniyam)

1. The University shall seek cooperation and collaboration with the existing Universities and Institutes of Higher Education, industrial / business houses / companies /any body corporate / society /trust /Association /co-operative Society / NGO / Schools / Govt. / Semi-govt. organizations /public sector undertakings any other organization / individual/ (s), in India and abroad and execute Memorandum of Understanding (MO U) detailing the extent and areas of cooperation and collaboration mutually agreed upon.

2. The University shall open its Study Centres as mentioned in the statutes, in various parts of the country and abroad, to promote Higher Education in emerging and traditional fields of studies in conformity with the provisions of the chhattisgarh niji kshetra vishwavidyalaya (sthapana aur viniyaman) adhiniyam 2002.

3. The University may collaborate with Universities and Institutes of Excellence engaged in Higher Education in foreign countries for the award of their degree in India.

4. The Institution / School / College / Society / trust desirous of establishing Off- Campus Progrmme Centres / Study Centres shall furnish the details in the Prescribed form along with adequate documentary evidence.

रायपुर, दिनांक 4 अगस्त 2003

क्रमांक एफ-73-125/2002/उ. शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी, कामर्स एण्ड मैनेजमेन्ट, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत, विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उपनियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है, तथा उपनियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 26 प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी.

रायपुर, दिनांक 26 अगस्त 2003

क्रमांक एफ-73-110/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है, जो "दिवाकीर्ति यूनिवर्सिटी, रायपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "दिवाकीर्ति यूनिवर्सिटी, रायपुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 26th August 2003

No. F-73-110/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "DIWAKIRTI UNIVERSITY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "DIWAKIRTI UNIVERSITY, RAIPUR" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 1 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ-73-166/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है, जो "ग्राम्य भारती विश्वविद्यालय, महासमुन्द, छत्तीसगढ़" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय महासमुन्द (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "ग्राम्य भारती विश्वविद्यालय, महासमुन्द, छत्तीसगढ़ " को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 1st September 2003

No. F-73-166/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyaiaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "GRAMYA BHARATI UNIVER-SITY, MAHASAMUND, (C. G.)" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Mahasamund (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "GRAMYA BHARATI UNIVERSITY, MAHASAMUND" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 10 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ-73 107/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो "आई. टी. एम. विश्वविद्यालय, रायपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "आई. टी. एम. विश्वविद्यालय, रायपुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 10th September 2003

No. F-73-107/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "ITM UNIVERSITY. RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "ITM UNIVERSITY, RAIPUR" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 12 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ-73-107/उ. शि./2003/38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत एमिटी यूनिवर्सिटी, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 1 से 14 प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी.

रायपुर, दिनांक 30 अगस्त 2003

क्रमांक एफ 73-150/2003/एचई/38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है, जो "सुप्रीम यूनिवर्सिटी" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "सुप्रीम यूनिवर्सिटी" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 30th August 2003

No. F 73-150/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "SUPREME UNIVERSITY" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "SUPREME UNIVERSITY" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 23 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ 73-178/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है, जो "बी आई आई जी एस वैली यूनिवर्सिटी, रायपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "बी आई आई जी एस वैली यूनिवर्सिटी, रायपुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 23rd September 2003

No. F 73-178/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "B.I. I. G.S. VALLEY UNIVERSITY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "B.I.I.G.S. VALLEY UNIVERSITY, RAIPUR" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सी. एस. डेहरे, अवर सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन,राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 30 जुलाई 2003

क्रमांक 9/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	सकोला	0.668	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	लोवर सोन व्यपवर्तन वियर निर्माण (डुबान) हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 30 जुलाई 2003

क्रमांक 10/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	पथर्रा	2.144	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	लोवर सोन व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर निर्माण कार्य हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 31 जुलाई 2003

क्रमांक 12/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	रटगा	3.895	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	बढ़ईखोलका जलाशय के डूब एवं नहर क्षेत्र हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 31 जुलाई 2003

क्रमांक 13/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	भाड़ी	0.809	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	लोवर सोन व्यपवर्तन योजना के वियर निर्माण (डूबान) कार्य.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 31 जुलाई 2003

क्रमांक 14/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	कोलबिर्रा	2.489	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	लोवर सोन व्यपवर्तन योजना के नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 6 अगस्त 2003

क्रमांक 13/अ-82/2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	सकोला	1.089	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही. मुख्यालय, पेण्ड्रारोड.	घाघरा जलाशय के मुख्य नहर कार्य हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 6 अगस्त 2003

क्रमांक 14/अ-82/2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	भाड़ी	5.145	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग मरवाही, मु: पेण्ड्रारोड.	अपरखुज्जी जलाशय के नहर कार्य हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 6 अगस्त 2003

क्रमांक 15/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	पकरिया	2.253	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	मल्हनिया जलाशय के उलट निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 6 अगस्त 2003

क्रमांक 16/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	पतरकोनी	0.109	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	पतरकोनी शाखा नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 6 अगस्त2003

क्रमांक 19/अ-82/2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक) संशोधित अधिनियम सन् 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	झाबर	4.995	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही, मुख्यालय पेण्ड्रारोड.	अपरखुज्जी जलाशय नहर कार्य हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 18/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	पोड़ी	4.081	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 19/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	बिल्लीबंद	2.150	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	[illegible] निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 20/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	नगोई	2.409	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 21/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	ढोलमौहा	2.834	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 22/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	सुखेना	0.279	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 23/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	बिटकुली	0.809	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 24/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	टेंगनमुड़ा	0.154	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 25/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा. (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	करवा	1.012	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 26/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	लमरी डबरी	1.304	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 27/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	मिट्टू नवागांव	1.887	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 28/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) संशोधित अधिनियम 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	कोटा	सोनपुरी	3.150	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड.	नहर निर्माण के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (रा.) कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. पी. मण्डल, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2003

क्र. 1.—राज्य शासन एतद्द्वारा ग्राम उच्चपिण्डा प. ह. नं. 01 तहसील डभरा जिला जांजगीर-चांपा (छ. ग.) की कुल निजी भूमि 4.306 हेक्टेयर का धूरकोट उप वितरक नहर निर्माण भू-अर्जन अधिनियम, 1894 क्रमांक एक सन् 1894 संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत जारी अधिसूचना दिनांक 30-9-2002 क्रमांक 637 (छत्तीसगढ़ राजपत्र भाग-1, दिनांक 8-11-2002 क्रमांक 45 के पृष्ठ क्रमांक 1607 में प्रकाशन) विलोपित (निरस्त) किया जाता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2003

क्र. 1/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-उच्चपिंडा, प. ह. नं. 1
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-4.881 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
42/4	0.235
42/5	0.190
42/6	0.016
42/9	0.081
42/7	0.125
52/3	0.182
47/2, 49	0.028
74	0.134
50/2	0.121
81/1 ख, 1 ग	0.125
81/1 घ	0.255
78/1, 7	0.154
77	0.057

(1)	(2)
123/3	0.352
390/3	0.113
123/1	0.040
123/2	0.081
288	0.061
289	0.040
291	0.004
290/1	0.121
292/2	0.138
292/3	0.057
292/1	0.040
293/2	0.178
294/1	0.057
296	0.032
297	0.061
303/1	0.275
339/2	0.101
342	0.008
341	0.020
340	0.020
336/1	0.024
339/1	0.061
335	0.016
334/6	0.193
343/3	0.061
334/1	0.117
334/7	0.138
525/5	0.065
525/3	0.012
525/2	0.081
525/4	0.097
526/4	0.008
528/1	0.174
529/1	0.194
531	0.138
योग	4.881

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुरकोट उप वितरक.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2003

क्र. 2.—राज्य शासन एतद्द्वारा ग्राम निमोही प. ह. नं. 01 तहसील डभरा जिला जांजगीर-चांपा (छ. ग.) की कुल निजी भूमि 6.717 हेक्टेयर का धुरकोट उप वितरक नहर निर्माण भू-अर्जन अधिनियम, 1894 क्रमांक एक सन् 1894 संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत जारी अधिसूचना दिनांक 30-9-2002 क्रमांक 638 (छत्तीसगढ़ राजपत्र भाग-1, दिनांक 8-11-2002 क्रमांक 45 के पृष्ठ क्रमांक 1608 में प्रकाशन) विलोपित (निरस्त) किया जाता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2003

क्र. 2/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-निमोही, प. ह. नं. 9
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-7.230 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
51	0.271
52	0.117
53/3, 62/1	0.138
53/2, 54/2	0.158
54/1, 55	0.101
57, 58	0.101
186	0.004
56, 187/1	0.279
187/2	0.028
187/4 क	0.036
187/4 ख	0.142
189/2	0.206
191	0.045
193/5 ख	0.117
193/5 क	0.045
192/1, 2	0.134
194	0.049
196	0.121
198	0.081
199/1	0.113
200	0.121
202/2	0.045

(1)	(2)
202/3	0.113
197/6	0.036
202/1	0.295
197/2	0.036
203	0.077
205/1 ग	0.089
206/1	0.077
206/2	0.077
206/3	0.073
206/4	0.053
224/1	0.287
224/2	0.279
224/3	0.324
219	0.061
220	0.032
223	0.247
231/2	0.040
231/3	0.040
222/1, 2	0.154
288/1	0.049
288/2	0.024
288/3	0.016
288/4	0.178
289	0.016
287/1	0.121
287/2	0.089
287/3	0.154
287/4	0.154
301/1	0.053
301/2	0.045
302	0.194
286/1	0.008
303/1	0.170
300/1	0.008
303/2	0.219
304/2	0.397
309/1	0.376
310	0.113
309/2	0.004
योग	7.230

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुरकोट उप वितरक.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 13 जून 2003

क्र. 684/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
(ख) तहसील-मालखरौदा
(ग) नगर/ग्राम-खेमड़ा, प. ह. नं. 12
(घ) लगभग क्षेत्रफल-4.374 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
146	0.028
147/2	0.036
145/2	0.016
175/2	0.016
145/1	0.016
150	0.089
143	0.057
411/2	0.077
685/1	0.105
142/1	0.085
160/1	0.109
161/2	0.008
161/1	0.057
453	0.243
162/5	0.072
165/2	0.053
164	0.065
126/1	0.045
167/2	0.053
168/1	0.053
169	0.065
170/2	0.061
170/1	0.077
176	0.045

(1)	(2)
177	0.202
174/1	0.008
232/2	0.028
421/1	0.004
421/2	0.004
443/1	0.004
688	0.053
183	0.053
217	0.024
411/1, 411/4	0.222
181/2	0.080
184/1	0.080
186, 187/2, 218	0.202
232/1	0.089
421/3	0.004
422/2, 423/2	0.016
425/1	0.020
426	0.053
443/2	0.109
407	0.072
406	0.040
444, 695/2	0.210
445/2	0.109
447/3	0.061
448	0.137
449	0.121
695/23	0.129
695/22	0.093
695/32	0.069
689/1	0.065
687	0.085
686	0.040
685/2	0.065
685/3	0.061
684/1	0.045
684/3	0.057
684/6	0.032
684/4	0.097
योग	4.374

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बड़ेमुड़पार सब डि. वाय./टेल माइनर.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 19 जून 2003

क्र. 685/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-ओड़ेकेरा, प. ह. नं. 9
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.749 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
सिंघी तराई माइनर-I	
346/1 छ	0.077
346/1 ज	0.065
346/1 च	0.004
344/17	0.190
343/1	0.012
342/3	0.004
342/2	0.008
357/18	0.040
357/7	0.057
357/9	0.069
357/12	0.077
357/10	0.049
357/3	0.065
357/22	0.065
358/4	0.073
358/2	0.057
355/2	0.049
356/2	0.032
354/4	0.040
354/1	0.053
351/3	0.094
352/2	0.057

	(1)	(2)
	403	0.121
	404	0.170
योग	24	1.528

सिंघी तराई-II

(1)	(2)
355/3	0.113
359/1, 2	0.065
360/4	0.024
360/2	0.024
360/3	0.024
360/5	0.024
363/1	0.093
363/4	0.073
363/3	0.097
364	0.008
363/2	0.028
365/4	0.036
366/1	0.117
367, 373	0.036
374/1 क	0.089
374/1 ख	0.004
376/7	0.057
377	0.089
378/1	0.081
378/2	0.024
379/2	0.146
379/5	0.053
380/2	0.020
380/1	0.089
381/1	0.040
383/1 च	0.053
383/1 छ	0.057
382/1	0.061
273/1	0.004
363/3	0.028
270/1	0.065
270/2	0.065
264/1	0.094
260/6	0.085
260/3	0.077
260/1	0.117
257/1	0.061
योग 37	2.221
कुल योग 61	3.749

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुरकोट उप वितरिका/सिंघीतराई माइनर/सराईपाली ब्रांच माइनर .

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 19 जून 2003

क्र. 686/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-केनापाली, प. ह. नं. 3
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.895 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
117/2	0.012
666/2	0.109
665/6	0.016
665/1	0.040
665/2	0.036
669/1	0.032
669/2	0.036
670/1	0.008
670/2	0.016
674/3	0.012

(1)	(2)
674/4	0.016
690/2	0.012
689	0.008
688	0.040
68311	0.020
67612, 680	0.016
67611, 680	0.065
72311, 72811	0.045
730	0.012
67812	0.004
72911	0.069
67811	0.012
64212	0.093
72912	0.065
673	0.093
679	0.008
योग	0.895

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-नवापारा ब्रांच उप वितरिका माइनर "एल".

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 19 जून 2003

क्र. 687/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-डभरा

(ग) नगर/ग्राम-सराईपाली, प. ह. नं. 2

(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.969 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
59/2	0.040
59/3	0.194
59/4	0.008
30/4	0.028
30/1	0.073
31	0.069
32/3	0.040
33/1	0.061
33/2	0.045
34/3	0.008
34/2	0.045
34/1	0.073
54/4	0.040
54/1	0.045
51/3	0.012
51/1	0.028
51/2	0.057
52/1	0.053
52/2	0.008
48/6	0.032
48/4	0.036
48/8	0.150
48/9	0.061
48/13	0.016
186/1	0.024
187, 188	0.077
189/4	0.077
191	0.053
190/2	0.073
204	0.024
414/1	0.008
205/1	0.040
413/2	0.113
412/3	0.016
411	0.012
209/2	0.008
222/2	0.045
222/1	0.049
402, 406/1	0.053
401/3	0.077

(1)	(2)
400	0.040
398, 399	0.065
397/5	0.036
397/4	0.073
397/3	0.008
384/1	0.028
386	0.081
286/1, 287	0.097
360/3	0.077
360/1	0.061
360/2	0.105
352/2, 353/2, 356/3	0.089
353/5	0.012
352/2, 353/2, 356/3	0.093
350	0.064
351	0.024
योग 56	2.969

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सराईपाली ब्रांच माइनर.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 19 जून 2003

क्र. 688/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-डभरा

(ग) नगर/ग्राम-कोमो, प. ह. नं. 3

(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.333 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
336	0.141
334/2	0.040
339/4	0.113
339/2	0.061
339/1	0.020
341/3	0.012
341/1	0.089
361/2	0.028
361/1	0.065
464	0.069
361/3	0.040
428/3, 4	0.121
363/4	0.036
363/3	0.053
364/1	0.020
364/2	0.028
367/2	0.036
369	0.028
367/3	0.008
370	0.036
373	0.020
372	0.028
441	0.020
429	0.028
440	0.073
392/1	0.040
439	0.049
436/1	0.012
436/2	0.040
423	0.024
422/2	0.020
436/3	0.016
392/2	0.040
430	0.069
393	0.069
422/1	0.105
427/2	0.045
700/9	0.069
700/2, 5	0.118

(1)	(2)
700/1	0.077
462/4	0.073
459	0.214
465/2	0.040
योग 43	2.333

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-कोमो माइनर (धुरकोट उप वितरक).

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 19 जून 2003

क्र. 689/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-ठनगन, प. ह. नं. 8
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.065 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
976	0.008
975/1	0.012
975/3	0.020
977/2	0.097
999/1	0.008
580/1	0.061
977/1	0.097
977/3	0.008
977/4	0.049
982	0.073
983	0.065
989/3	0.020
1040/1, 2	0.061
1002/1, 2	0.109
1001/3	0.008
989/2	0.028
989/1	0.053
990	0.157
998	0.012
1180	0.028
999/2, 3	0.057
1039	0.081
1040/5, 6	0.008
1043/2, 1044/2	0.073
1059/2, 1058/2	0.145
1058/5, 1059/5	0.073
1058/3, 1059/3	0.040
1060/5, 1065/5	0.008
1058/4, 1059/4	0.040
1066, 1114	0.121
1115	0.198
1103/4	0.004
1103/1	0.145
1103/2	0.040
1160	0.045
1162/1, 3	0.036
1166/1	0.075
1167/2, 3	0.081
1165	0.012
1165/5	0.028
1161/2	0.008
1180/2	0.024
1164	0.057
504/1	0.004
1166/4	0.315
584/2	.065

(1)	(2)
584/3	0.016
583	0.145
582/1, 2	0.097
580/3	0.020
1161/1	0.024
योग 51	3.065

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-छुहीपाली सब डि. वाय.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 19 जून 2003

क्र. 690/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)-
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-कुसुमझर, प. ह. नं. 9
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.995 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
300	0.141
746/2	0.040
813	0.053
916	0.061
301	0.045
302	0.049
746/1	0.069
910	0.024
720/2	0.049
814/5	0.016
831/1, 2	0.109
834, 835	0.085
912/2	0.004
721/1, 2, 3	0.053
721/4-6	0.053
721/5, 7	0.053
748/3	0.004
748/2	0.040
814/3	0.012
822/1	0.081
824/3	0.036
836/1	0.121
748/1	0.040
744	0.206
747/2	0.040
812	0.057
814/2 ग	0.036
817/1 ख	0.089
833	0.004
722/2, 954	0.234
814/1	0.016
814/2 ख	0.008
723, 724	0.153
814/2 क	0.004
817/1 क	0.057
823/1	0.045
814/4	0.016
824/2	0.032
903/1	0.036
818/1	0.024
823/2	0.020
832/1	0.065
922/3	0.093
922/1 क	0.024
922/1 ख	0.024
911/6	0.093
912/1	0.085
913	0.089
902/2	0.004
902/1	0.032
901	0.008
895	0.004
894/3	0.020

(1)	(2)
894/1	0.016
894/2	0.036
904/1 क	0.069
725	0.194
893	0.032
726/3	0.049
743/2	0.032
745/2	0.157
743/8, 1, 4	0.538
743/5	0.004
745/1	0.012
योग 64	3.995

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-छुहीपाली सब डि. वाय.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 19 जून 2003

क्र. 691/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-जैजैपुर

(ग) नगर/ग्राम-बेलादुला, प. ह. नं. 12

(घ) लगभग क्षेत्रफल-9.484 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
कचन्दा उप वितरक माइनर 3 ''एक''	
10	0.210
28/1	0.082
28/2	0.114
11/3	0.016
11/2	0.044
11/1	0.034
11/4	0.022
11/5	0.022
30	0.108
29	0.064
31/2	0.112
27/2, 38/2	0.066
38/4	0.107
52	0.095
50/5	0.013
51	0.065
50/3	0.126
50/2	0.067
60/3	0.009
61	0.075
62	0.006
573	0.079
204/1	0.016
204/2	0.042
239	0.047
241	0.006
208/2	0.027
238/1	0.040
242/2	0.013
246/1	0.020
247/1	0.091
247/2	0.032
247/3	0.032
453/4	0.116
449, 450	0.149
451	0.089
494	0.154
500/3	0.078
500/2	0.078
495/1	0.056
499/1	0.019
499/2	0.089
498/1	0.068
498/4	0.011
496	0.005

(1)	(2)
497	0.068
772	0.055
552	0.189
553	0.033
554/2	0.042
556	0.020
557/1	0.057
584/1	0.091
584/2	0.047
572	0.107
योग	3.532

कचन्दा उप वितरक माइनर नं. 3 "एल"

(1)	(2)
110	0.009
111/1, 111/2	0.005
112/1, 112/2, 112/3	0.004
113/1, 113/2, 113/3	0.002
114/1, 114/2, 114/3	0.004
115/1, 115/2, 115/3	0.005
118	0.006
119/1, 119/2	0.004
120/1, 120/2, 120/3, 120/4	0.007
121/1, 121/2	0.005
122/1, 122/2, 122/3, 122/4	0.003
123	0.003
124/1, 124/2	0.005
126	0.005
145/1, 145/2, 145/3	0.004
148/1, 148/2	0.009
151/1, 151/2	0.004
152	0.005
153/1, 153/2	0.002
154	0.003
155	0.004
156	0.005
157	0.004
159	0.003
161/1, 161/2	0.010
162/1, 162/2	0.003
163/1, 163/2, 163/3	0.004
127/1, 127/2, 127/3, 127/4, 127/5, 127/6	0.008
128/1, 128/2, 128/3	0.004
130/1, 130/2, 130/3	0.004
131/1, 131/2	0.003
132	0.004
134	0.005
136	0.004
137	0.004
138	0.005
139/1, 139/2	0.009
142/1, 142/2, 142/3	0.012
143/1, 143/2	0.009
144	0.005
146	0.006
150/1, 150/2, 150/3	0.007
179	0.005
180/1, 180/2	0.004
181	0.005
183	0.004
185	0.002
186	0.002
190	0.007
191/1, 191/2, 191/3	0.005
192	0.005
194	0.007
195	0.007
164/1, 164/2, 164/3, 164/4	0.004
166/1, 166/2	0.003
167	0.003
168	0.003
171	0.003
172	0.003
173	0.006
174	0.006
175/1, 175/2, 175/3	0.006
176	0.009
177	0.010
178	0.006
179	0.005
180/1, 180/2	0.004
181	0.005
183	0.004
185	0.002
186	0.002
190	0.007
191/1, 191/2, 191/3	0.005
192	0.005

(1)	(2)
194	0.007
195	0.007
196	0.003
197	0.003
198/1, 198/2	0.003
199	0.005
200/1, 200/2, 200/3	0.003
201/1, 201/2, 201/3, 201/4	0.003
202	0.003
140	0.009
149	0.007
193/1, 193/2	0.005
योग	0.375

कचन्दा उप वितरक के अंतर्गत माइनर 1 ''एल''

(1)	(2)
761/5	0.002
750/2	0.056
749/1	0.002
761/4	0.126
761/1	0.190
योग	0.376

माइनर 1 ''एल'' नहर निर्माण हेतु

(1)	(2)
754/4	0.091
754/2	0.060
755	0.121
759/6	0.038
759/2	0.030
759/5	0.030
759/1	0.022
759/4	0.038
759/3	0.076
770	0.028
769/1	0.048
761/1	0.129
760	0.024
767	0.057
768/1	0.012
209/4	0.012
210	0.128
781	0.016
236	0.091
766	0.006
237	0.091
235/5	0.053
योग	1.201

कचन्दा उप वितरक कं अंतर्गत 2 ''आर''

(1)	(2)
5	0.062
6	0.073
7	0.062
4/1	0.021
4/2	0.055
9	0.066
8	0.008
10	0.144
24	0.113
25	0.073
26/4	0.141
26/5	0.009
26/3	0.040
26/2	0.051
97/2	0.029
97/1	0.029
98	0.050
99/1	0.028
99/2	0.028
100/1	0.006
100/2	0.004
67/2	0.056
67/1	0.028
71/2	0.070
155/1	0.076
155/2	0.063
154/2	0.016
156	0.052
158/4	0.159
158/3	0.173
162/3	0.030
162/1	0.009

(1)	(2)
164	0.015
175	0.015
176/1	0.016
597	0.025
605/2	0.051
605/1	0.017
610	0.038
612/2	0.015
611	0.036
612/1	0.004
616/2	0.038
617/2, 3	0.040
618/1	0.035
620	0.026
615	0.026
621	0.050
622	0.025
623	0.016
644	0.012
643	0.013
640	0.034
642	0.010
639	0.043
638	0.055
641	0.008
637/3	0.050
637/2	0.040
635, 636	0.010
637/1	0.012
667	0.042
671	0.033
672	0.046
663	0.067
675/2	0.017
662/2	0.046
692	0.025
693	0.032
691/1	0.043
695	0.011
690/2	0.057
696/1	0.082
707	0.084
705, 706	0.025
714	0.011
704/2	0.041
703	0.075
806/1	0.028
805/1	0.039
807/1	0.033
802/3	0.039
847	0.082
808	0.023
846	0.075
845	0.062
843/1	0.003
621	0.062
844	0.015
820	0.005
822	0.016
823	0.013
825	0.035
831, 832	0.041
830	0.003
176/2	0.008
176/3	0.008
804	0.057
826	0.007
योग	4.000
कुल योग	9.484

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-कचन्दा उप वितरक माइ. 3 ''एल'', माइ. 4 ''एल'', माइनर 2 ''आर'', ब्रांच माइनर 1 ''एल'' निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 28 जून 2003

क्र. 701/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-डभरा

(ग) नगर/ग्राम-फरसवानी, प. ह. नं. 7

(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.204 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
691/3 क, 692/3 ख	0.016
1301/2	0.032
1301/1	0.053
1298/1	0.077
1298/2	0.004
1331/1	0.105
1331/2	0.020
1296	0.117
1336/1 ख	0.032
1336/1 घ	0.065
1336/1 च	0.004
1278/3	0.008
1333/1, 2	0.077
1334/2	0.024
1335/1	0.028
1335/2	0.024
1358/1	0.012
1360	0.081
1354	0.004
1362	0.085
1261/4	0.012
1262	0.049
1364/1	0.032
1365	0.004
1590	0.057
1589, 1591/2	0.101
1569	0.004
1571/1	0.077
योग	1.204

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खैरा माइनर, ब्रांच माइनर नं. 2.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 28 जून 2003

क्र. 702/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-डभरा

(ग) नगर/ग्राम-फरसवानी, प. ह. नं. 7

(घ) लगभग क्षेत्रफल-4.970 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1040/33	0.117
1040/34	0.109
1040/35	0.053
1041/2	0.113
966/2	0.012
969	0.081
1730	0.069
1748, 1618, 1729, 1731	0.324
1630/1, 2	0.040
1579/1	0.093
1041/1	0.141
1837	0.093
1004	0.036
1003/1	0.045
1003/2	0.057
1000/1 ख	0.040
1000/1 क	0.057
1000/2	0.032
1489/3	0.012
1489/4	0.036
921/1	0.049
963/2	0.065
963/1	0.097

(1)	(2)
964	0.077
965	0.085
971/2	0.040
966/1	0.040
968/1	0.040
941/4, 5	0.053
941/3	0.004
1735	0.045
941/1	0.040
930/3	0.012
930/1	0.032
923/2	0.004
929	0.040
924/2	0.004
924/1	0.004
924/3	0.016
917/1, 2	0.053
923/1	0.040
921/5	0.061
920/2	0.004
920/3	0.004
1829	0.004
921/2	0.049
912	0.028
911	0.028
886	0.032
1831/1	0.032
885/3	0.004
885/4	0.004
885/1 क	0.053
885/1 ख	0.073
1124	0.008
1122/1, 1123	0.057
1112/1, 1112/4	0.008
1490/1	0.053
1490/4	0.053
1490/7, 8	0.065
1475/6	0.049
1476/2	0.053
1112/3	0.040
1113/1, 1115	0.085
1514/1	0.036
1487/1	0.020
1121	0.032
1825	0.053
1828/2	0.024
1827	0.008
1830	0.024
1838/1	0.069
1832	0.040
1836/1	0.012
1838/3	0.032
1573/3	0.129
1749	0.020
1566	0.040
1750/3	0.004
1750/1, 2	0.081
1616, 1734	0.053
1736	0.004
1617/3, 1632/3, 1633/3	0.012
1728/1	0.053
1626/2	0.012
1625	0.073
1573/2	0.008
1563, 1567	0.081
1571/1	0.016
1568	0.024
1564	0.040
1561/2	0.065
1560	0.121
1558/1 क	0.073
1557	0.036
1555/3	0.057
1519, 1520, 1521	0.117
1514/2	0.024
1490/2 ग	0.012
1503	0.008
1487/5	0.024
1491/1	0.020
1486/1	0.166
योग	4.970

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खैरा माइनर.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 28 जून 2003

क्र. 703/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-डभरा

(ग) नगर/ग्राम-धुरकोट, प. ह. नं. 3

(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.768 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1109	0.028
1111/1	0.061
1148/1	0.076
1112/4	0.040
1112/3	0.036
1145/2	0.049
1144/1	0.020
1147	0.057
1135	0.020
1134/2	0.016
1143/2	0.057
1140/4	0.061
1140/4	0.004
1136/2	0.049
1134/4, 1134/1	0.040
1133/2, 1133/1, 1133/3	0.049
1132/1	0.053
1114/1	0.040
1137	0.012
योग 19	0.768

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुरकोट माइनर

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 30 जून 2003

क्र. क/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-मालखरौदा

(ग) नगर/ग्राम-सारसकेला, प. ह. नं. 10

(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.56 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
474/3	0.56
योग	0.56

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), सक्ती एवं भू-अर्जन अधि. सक्ती जिला, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 30 जून 2003

क्र. 2/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
(ख) तहसील-नवागढ़
(ग) नगर/ग्राम-धाराशिव, प. ह. नं. 5
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.934 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
142	0.093
144/4	0.032
144/5	0.032
144/6	0.008
916/5	0.012
145	0.121
148	0.020
880/2	0.004
878, 879	0.040
885	0.202
809	0.024
907	0.097
909	0.036
910	0.097
916/1	0.057
916/2	0.057
916/4	0.024
921	0.113
917/1	0.061
917/2	0.069
920/1	0.049
922	0.097
929	0.032
930/4	0.008
934	0.049
933	0.036
936/1	0.085
937/2	0.028
937/1	0.028
938	0.057
939/2	0.061
942	0.129
946	0.162
947/1	0.121
947/4	0.073
1285	0.129
1286	0.049
1287	0.049
1288	0.016
1289/2	0.016
1293/1 1293/2	0.182
1294	0.012
1296/2 1297/2	0.223
149	0.024
1292/3	0.020
योग 45	2.934

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-ठाकुरदिया से धाराशिव पहुंच मार्ग निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 30 जून 2003

क्र. 3/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
(ख) तहसील-जांजगीर
(ग) नगर/ग्राम-बक्सरा, प. ह. नं. 25
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.246 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
5	0.008
7/2	0.137
7/1	0.081
7/3	0.020
योग 4	0.246

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-मुख्य मार्ग से हेड़सपुर पहुंच मार्ग निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 738/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-सक्ती
- (ग) नगर/ग्राम-असौंदा, प. ह. नं. 12
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-4.472 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
463/1	0.040
463/2	0.121
473/1	0.101
474/3	0.040
474/1	0.065
472/1	0.004
474/2, 475	0.227
506/1	0.049
506/4	0.129
506/13	0.028
506/11	0.049
506/9	0.024
506/6	0.121
506/12	0.008
506/14	0.008
506/2	0.069
551	0.053
549/1	0.024
552/4	0.154
552/3	0.049
552/6	0.024
702/2	0.049
703	0.279
706/3	0.089
708	0.376
721/1	0.194
727/1	0.049
725	0.186
783	0.138
808	0.227
809	0.081
811	0.129
813	0.065
812/1	0.065
812/2	0.097
814	0.178
815	0.210
816	0.332
818/1	0.065
818/2	0.081
818/4	0.049
838/1	0.146
योग 42	4.472

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-अचानकपुर माइनर.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 739/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-सक्ती
- (ग) नगर/ग्राम-सिंधनसरा, प. ह. नं. 10
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.546 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1224	0.089
1223	0.020
1222/3	0.077
1222/3, 1222/2	0.077
[illegible]	0.061
1220	0.008
1217	0.045
1218	0.008
1219	0.008
1216	0.040
1213	0.032
1214	0.012
1215/1	0.024
1203	0.045
योग	0.546

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सोठी माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 740/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-सक्ती
- (ग) नगर/ग्राम-सोठी, प. ह. नं. 7
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.606 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
708	0.012
729	0.109
731	0.085
732	0.040
733	0.053
736/1	0.057
736/2	0.061
737/2	0.057
737/3	0.049
653/1	0.057
653/2	0.032
653/4	0.036
654	0.016
648/1	0.028
648/2	0.024
652	0.012
649/1	0.028
649/2	0.028
645	0.065
626/3	0.032
643/2 क	0.040
646	0.003

(1)	(2)
626/1	0.008
642	0.012
643/1	0.069
633/2	0.008
634	0.105
627/1	0.032
627/3	0.024
628	0.028
630	0.004
631/2, 923	0.045
920, 924/2	0.028
921/2, 92[illegible]/4	0.020
921/[illegible], 924/5	0.069
921/4, 924/6	0.024
922	0.065
927, 959	0.036
913	0.040
912	0.040
911	0.012
635	0.008
योग	1.606

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सक्ती शाखा नहर के अंतर्गत सोठी माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 741/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-सक्ती

(ग) नगर/ग्राम-नंदौर खुर्द, प. ह. नं. 12

(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.643 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
857	0.081
1738	0.004
807	0.129
875	0.008
869	0.057
868	0.061
1650/1, 1650/2	0.077
1649	0.004
1673	0.028
1651/1, 1651/2	0.089
1666	0.053
1672	0.053
1664	0.040
1739	0.065
1663	0.020
1682	0.040
1683/1	0.049
1774/1	0.032
1774/3	0.061
1683/2	0.036
1683/3	0.028
1688	0.012
1689	0.045
1690/1, 1690/2	0.170
1691	0.012
1712	0.032
1711	0.028
1710	0.069
1697/1, 1697/2	0.105
1700	0.045
1774/2	0.004

(1)	(2)
1699	0.045
1774/4	0.045
1773	0.016
योग	1.643

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सुआडेरा माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 742/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-सक्ती

(ग) नगर/ग्राम-देवरी, प. ह. नं. 2

(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.728 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
296/4	0.109
420	0.057
421/1	0.020
422/1	0.105
422/4	0.243
422/5	0.077
424/1, 424/3	0.073
426/2	0.077
421/2	0.028
424/2	0.113
425	0.150
427/2	0.053
438/1	0.121
428/1	0.049
428/2	0.085
429/1	0.065
429/2	0.105
438/2	0.097
437	0.065
435/3	0.036
योग	1.728

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-ढोलनार वितरक नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 743/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

(ख) तहसील-सक्ती

(ग) नगर/ग्राम-बैलाचुआ, प. ह. नं. 4

(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.553 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
611/2	0.012

(1)	(2)
609/1	0.024
609/2	0.040
684/1	0.097
670	0.073
667	0.024
674/1	0.008
666/1	0.085
666/2	0.028
665	0.016
640	0.146
योग	0.553

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बैलाचुआ माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 744/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-सक्ती
- (ग) नगर/ग्राम-बैलाचुआ, प. ह. नं. 4
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.431 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
566	0.032
560	0.020
559	0.101
616	0.109
617	0.117
627	0.008
626	0.004
630	0.040
योग	0.431

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-अंजोरीपाली माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 745/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-सक्ती
- (ग) नगर/ग्राम-मोहगांव, प. ह. नं. 2
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.991 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
222/4	0.016
221	0.073
276	0.077
212	0.024
211	0.036
210	0.032
275	0.028

(1)	(2)
514/5	0.032
280/1	0.101
514/3	0.061
280/2	0.004
280/3	0.138
510	0.008
281, 282, 284	0.004
285	0.069
286	0.020
434	0.028
432	0.231
429	0.093
449	0.129
430	0.040
456/3, 6	0.008
454/2	0.089
454/1	0.053
454/3	0.040
452	0.105
505	0.004
508	0.008
509	0.020
451	0.109
448/2	0.016
448/3	0.040
513/4	0.004
514/2	0.020
515/1	0.121
515/2	0.065
444/1	0.045
योग	1.991

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-टेम्पाभांठा माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 746/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-सक्ती
- (ग) नगर/ग्राम-जगदल्ला, प. ह. नं. 4
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.708 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
34/1	0.340
36/3, 36/4	0.109
36/2	0.073
37/1	0.049
126	0.316
127	0.065
427	0.012
119/3	0.020
119/7	0.081
119/4	0.020
119/8	0.049
124	0.012
128	0.008
422/1	0.081
422/4	0.024
421/1	0.316
452/1	0.081
426	0.045
425	0.016
424	0.008
428/1	0.049
428/4	0.085
428/3	0.040
428/5	0.065
430	0.194
431	0.113
451/1	0.223
451/4	0.012
453	0.202
योग	2.708

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-ढोलनार वितरक नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 747/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
(ख) तहसील-सक्ती
(ग) नगर/ग्राम-पतेरापालीकला, प. ह. नं. 2
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.980 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
7/1	0.081
7/2	0.113
776/2	0.146
7/3	0.024
5/1	0.024
11/1	0.032
8	0.032
10/1	0.081
9	0.012
18	0.012
19/1	0.109
73	0.020
851/1	0.077
55	0.045
74	0.036
72	0.008
75/2	0.057
77	0.024
86	0.073
85/1	0.065
85/1	0.065
84	0.081
83	0.008
87/1	0.020
39/3	0.077
42/1	0.020
39/1	0.073
39/2	0.077
35	0.008
431/1	0.049
860	0.194
432/1	0.162
433/1	0.081
435/1	0.012
833/1	0.028
436/2	0.024
774	0.049
773/2	0.012
775/17	0.235
850/1	0.077
857	0.020
831/1	0.097
866/1	0.121
765	0.045
766	0.008
761/1	0.065
767/1	0.024
768	0.032
831/2	0.097
762	0.032
861	0.016
योग 51	2.980

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-जुनवानी माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 3 सितम्बर 2003

क्र. 01/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-चाम्पा
- (ग) नगर/ग्राम-सिवनी, प. ह. नं. 3
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.238 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	2210/2	0.121
	2210/5	0.117
योग	2	0.238

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बालपुर चाम्पा रेल्वे निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय, अधिकारी, (राजस्व), चाम्पा के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 16 सितम्बर 2003

क्र. 1232/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-चाम्पा
- (ग) नगर/ग्राम-झरना, प. ह. नं. 7
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.764 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	73/2	0.376
	73/3	0.376
	555/6	0.008
	555/7	0.004
योग	4	0.764

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सक्ती शाखा नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. आर. सारथी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कोरिया बैकुन्ठपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

कोरिया बैकुन्ठपुर, दिनांक 15 जून 2003

क्र. 65/भू-अर्जन/2003/रा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कोरिया बैकुन्ठपुर
- (ख) तहसील-बैकुन्ठपुर
- (ग) नगर/ग्राम-बड़गांव
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.848

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
45/3	0.060
45/4	0.020
45/2	0.006
45/5	0.032
549	0.162
550	0.014
561	0.025
551	0.008
552	0.099
553	0.159
557	0.038
558	0.037
559	0.027
560	0.040
562	0.105
583	0.016
योग	0.848

शासकीय भूमि

47	0.096
555	0.482
624	0.026
520	0.018
521	0.024
526	0.166
योग	0.812

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-बड़गांव माइनर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, कोरिया बैकुन्ठपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
विकास शील, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

विभाग प्रमुखों के आदेश

संचालनालय स्थानीय निधि संपरीक्षा

बी-99, मेन रोड, समता कॉलोनी, डा. पाण्डे नर्सिंग होम के पास, रायपुर (छत्तीसगढ़)

रायपुर, दिनांक 6 सितम्बर 2003

क्रमांक एल. एफ. ए./प्रशा./2003/2165.—संचालनालय स्थानीय निधि संपरीक्षा विभागीय नियमावली में निहित प्रावधानानुसार अधिसूचित है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थानीय निधि संपरीक्षा अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा भाग एक एवं दो वर्ष 2003 दिनांक 13-10-2003 से 17-10-2003 तक नीचे लिखित कार्यक्रमानुसार रायपुर में संपादित होगी :—

भाग-एक

क्र.	प्रश्नपत्र	दिनांक	दिवस	विषय	समय
1	प्रथम	13-10-03	सोमवार	संक्षेपिका तथा प्रारूप (पुस्तक रहित)	11.00 बजे से 2.00 तक 3 घंटे.

क्र.	प्रश्नपत्र	दिनांक	दिवस	विषय	समय
2	द्वितीय	14-10-03	मंगलवार	मूलभूत नियम, सिविल लेखा विनियम इत्यादि (पुस्तक सहित).	11.00 बजे से 1.30 तक 2.1/2 घंटे
3	तृतीय	15-10-03	बुधवार	लेखा परीक्षा तथा लेखा सहिताएं (पुस्तक सहित).	11.00 बजे से 1.30 तक 2. 1/2 घंटे.
4	चतुर्थ (अ)	16-10-03	गुरुवार	स्थानीय निधि लेखा की लेखा परीक्षा तथा निरीक्षण के अधीन लेखाओं की लेखा परीक्षा तथा निरीक्षण हेतु नियम तथा विनियम (सैद्धांतिक) (पुस्तक रहित).	11.00 बजे से 12.30 तक 1. 1/2 घंटे.
5	चतुर्थ (ब)	17-10-03	शुक्रवार	स्थानीय निधि लेखा की लेखा परीक्षा तथा निरीक्षण के अधीन लेखाओं की लेखा परीक्षा तथा निरीक्षण हेतु नियम तथा विनियम (व्यावहारिक) (पुस्तक सहित).	11.00 बजे से 1.30 तक 2. 1/2 घंटे.

भाग-दो

क्र.	प्रश्नपत्र	दिनांक	दिवस	विषय	समय.
1.	प्रथम (अ)	13-10-03	सोमवार	विधान मंडल के अधिनियम तथा सांविधिक नियम (सैद्धांतिक) (पुस्तक रहित)	3.00 बजे से 4.30 तक 1.1/2 घंटे.
2	प्रथम (ब)	14-10-03	मंगलवार	विधान मंडल के अधिनियम तथा संविधिक नियम (व्यावहारिक) (पुस्तक सहित).	3.00 बजे से 5.30 तक 2.1/2 घंटे.
3	द्वितीय	15-10-03	बुधवार	भारत का संविधान (पुस्तक सहित)	3.00 बजे से 6.00 तक 3 घंटे.
4	तृतीय	16-10-03	गुरुवार	वाणिज्यिक बही खाता (कार्मिशयल बुक कीपिंग) (पुस्तक रहित).	3.00 बजे से 5.00 तक 2 घंटे.
5	चतुर्थ	17-10-03	शुक्रवार	स्थानीय नियम तथा लोक निर्माण कार्य लेखा संहिता (पुस्तक सहित)	3.00 बजे से 5.30 तक 2.1/2 घंटे.

आर. बी. जाधव,
संचालक.